हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 03 अंक - 04 बेमेतरा, सोमवार 17 अगस्त 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 1 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

मुख्यमंत्री विष्णुदेव ने भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर किया नमन

अटल के संकल्प और दूरदर्शी नेतृत्व ने छत्तीसगढ़ को दी नई पहचान

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास परिसर में उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धापूर्वक नमन किया। मुख्यमंत्री साय ने अटल के विराट व्यक्तित्व, राष्ट्रसेवा और छत्तीसगढ़ निर्माण में उनके ऐतिहासिक योगदान का स्मरण किया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल के अध्यक्ष अनुराग सिंहदेव भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि अटल छत्तीसगढ़ के निर्माता और प्रदेशवासियों की भावनाओं को सम्मान देने वाले महान राष्ट्रनायक थे। छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण उनके दूरदर्शी नेतृत्व, दृढ़ संकल्प और संवेदनशील सोच का परिणाम है। उन्होंने इस अंचल की भौगोलिक विशिष्टताओं, विकास की आवश्यकताओं और पृथक राज्य की वर्षों पुरानी जनआकांक्षा को समझा तथा प्रधानमंत्री के रूप में उसे साकार किया। छत्तीसगढ़ को पृथक राज्य के रूप में पहचान दिलाने वाला उनका यह ऐतिहासिक निर्णय प्रदेश के इतिहास में सदैव स्वर्णाक्षरों में अंकित रहेगा। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि अटल का छत्तीसगढ़ से रिश्ता केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि गहरा आत्मीय और भावनात्मक था। छत्तीसगढ़ और यहां के लोगों के प्रति उनके मन में विशेष स्नेह था। साय ने अटल के साथ अपनी स्मृतियों को साझा करते हुए कहा कि उन्हें स्वयं भी अटल का स्नेह, आशीर्वाद और मार्गदर्शन प्राप्त करने का सौभाग्य मिला। उनके साथ जुड़ी अनेक आत्मीय स्मृतियां मन में जीवंत हैं। अटल का स्नेह और उनका मार्गदर्शन उनके जीवन की अमूल्य स्मृतियों में है, जो उन्हें जनसेवा के पथ पर निरंतर प्रेरित करता है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि अटल का व्यक्तित्व बहुआयामी था। संवेदनशील कवि, प्रखर पत्रकार, ओजस्वी वक्ता और दूरदर्शी राजनेता के रूप में उन्होंने सार्वजनिक जीवन की विशेषता थी।

राष्ट्रहित उनके लिए सदैव सर्वोपरि रहा और मां भारती की सेवा उनके जीवन का सर्वोच्च ध्येय थी। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि अटल जी ने सुशासन और अंत्योदय को शासन का आधार बनाकर विकास की ऐसी विरासत स्थापित की, जो देश को दिशा दे रही है।

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के माध्यम से गांवों को सड़कों से जोड़ने की ऐतिहासिक पहल ने ग्रामीण भारत के सामाजिक और आर्थिक विकास को नई गति दी। किसानों के कल्याण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूती के लिए उनके द्वारा उठाए गए कदमों भारतीय जनमानस पर अमिट छाप छोड़ी। वे ऐसे सर्वस्वीकार्य राजनेता थे, जिन्हें दलगत सीमाओं से ऊपर उठकर सभी वर्गों का सम्मान और स्नेह प्राप्त हुआ। वैचारिक दृढ़ता के साथ विनम्रता, संवेदनशीलता और संवाद उनके का दूरगामी प्रभाव पड़ा। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनजातीय समाज के सर्वांगीण विकास को राष्ट्रीय प्राथमिकता देते हुए अटल जी के कार्यकाल में पृथक जनजातीय कार्य मंत्रालय का गठन किया गया। यह निर्णय जनजातीय समुदायों के विकास, अधिकारों और आकांक्षाओं के प्रति उनकी संवेदनशीलता का परिचायक था। उन्होंने विकास की मुख्यधारा को गांव, गरीब, किसान, जनजातीय समाज और वंचित वर्गों तक पहुंचाने के लिए अनेक दूरदर्शी पहल कीं। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि अटल ने जिस छत्तीसगढ़ की आधारशिला रखी, उसे समृद्ध, विकसित और आत्मनिर्भर बनाना हम सभी का दायित्व है। उनकी सरकार अटल के सुशासन, अंत्योदय और जनकल्याण के मूल्यों को आत्मसात करते हुए प्रदेश के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ आज विकास और सुशासन के नए अध्याय लिख रहा है। सरकार का प्रत्येक प्रयास गांव, गरीब, किसान, युवा, महिला और जनजातीय समाज के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने तथा विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के संकल्प को साकार करने की दिशा में केंद्रित है।

जनसंपर्क विभाग द्वारा आयोजित छायाचित्र प्रदर्शनी का सीएम साय ने किया शुभारंभ

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राजधानी रायपुर के कचहरी चौक स्थित ऐतिहासिक टाउन हॉल में जनसंपर्क विभाग द्वारा आयोजित सात दिवसीय छायाचित्र प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। स्वतंत्रता संग्राम में छत्तीसगढ़ के योगदान, अमर सेनानियों के शौर्य एवं बलिदान, वंदे मातरम की 150 वर्षों की गौरवशाली यात्रा और राज्य में सुशासन एवं विकास की उपलब्धियों को समेटे यह प्रदर्शनी अतीत के गौरव से वर्तमान की उपलब्धियों और भविष्य की आकांक्षाओं तक छत्तीसगढ़ की यात्रा को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत कर रही है। मुख्यमंत्री साय ने प्रदर्शनी के विभिन्न खंडों का अवलोकन किया और वहां प्रदर्शित दुर्लभ छायाचित्रों, दस्तावेजों एवं सूचनात्मक सामग्री में विशेष रुचि दिखाई।

उन्होंने कहा कि देश की स्वतंत्रता के लिए छत्तीसगढ़ की धरती के अनेक वीर सपूतों ने संघर्ष और बलिदान किया। उनके योगदान और राष्ट्रभक्ति की प्रेरक गाथाओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाना हमारा दायित्व है। ऐसी प्रदर्शनियां युवाओं को अपने गौरवशाली इतिहास से परिचित कराने के साथ उनमें राष्ट्रप्रेम, कर्तव्यबोध और देश के प्रति समर्पण की भावना को और मजबूत करती हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह प्रदर्शनी केवल इतिहास का स्मरण नहीं कराती, बल्कि विरासत से प्रेरणा लेकर विकसित छत्तीसगढ़ और विकसित भारत के निर्माण के संकल्प को भी सुदृढ़ करती है। एक ओर इसमें स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष और बलिदान की अमर गाथाएं हैं, तो दूसरी ओर जनकल्याणकारी योजनाओं, सुशासन, आधुनिक अधोसंरचना और नई तकनीक के माध्यम से बदलते छत्तीसगढ़ की तस्वीर भी दिखाई गई है। प्रदर्शनी का विशेष आकर्षण राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' की 150 वर्षों की गौरवशाली यात्रा पर केंद्रित खंड है।

मुर्मु, राधाकृष्णन, मोदी और नवीन सहित विभिन्न नेताओं ने अर्पित की वाजपेयी को श्रद्धांजलि

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष नितिन नवीन सहित विभिन्न नेताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि के मौके पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुर्मु, राधाकृष्णन, मोदी, पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, नवीन और दिल्ली प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा सहित तमाम नेता आज वाजपेयी के स्मृतिस्थल 'सदैव अटल' पहुंचे और उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। इस मौके पर वाजपेयी के स्मृतिस्थल 'सदैव अटल' प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। गौरतलब है कि पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी का निधन 16 अगस्त 2018 में हुआ था। मोदी ने वाजपेयी की पुण्यतिथि के मौके पर उन्हें एक 'असाधारण राजनेता' बताया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, अद्भुत दूरदर्शिता वाले एक असाधारण राजनेता के तौर पर उन्होंने अपना जीवन देश की सेवा में समर्पित कर दिया। उनके विचारों और प्रयासों ने कई पीढ़ियों को प्रेरित किया और उनके नेतृत्व ने हमारे देश को मज़बूत बनाया। सुशासन और जन-कल्याण पर उनका ज़ोर हमेशा हमारा मार्गदर्शन करता रहेगा। राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया एक्स पर वाजपेयी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए लिखा, अटल बिहारी वाजपेयी जी की पुण्यतिथि पर मैं उन्हें कोटि-कोटि नमन और विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ। अटल जी ने अपने विचारों और कार्यों से भारतीय लोकतंत्र को समृद्ध किया। उन्होंने जीवन भर 'राष्ट्र सर्वोपरि' की भावना के साथ काम किया। उनके लिए राजनीति का मूल उद्देश्य राष्ट्रहित और जनसेवा था। उन्होंने कहा, अटल जी के नेतृत्व में भारत ने रणनीतिक शक्ति, आर्थिक विकास और बुनियादी ढांचे के क्षेत्रों में नयी ऊंचाइयां हासिल कीं। उन्होंने देश को मजबूत बनाने, उसमें आत्मविश्वास जगाने और विकास को नई दिशा देने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनका व्यक्तित्व, उनके आदर्श और राष्ट्र सेवा का उनका संकल्प हम सभी को सदैव प्रेरित करते रहेंगे। वहीं, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने वाजपेयी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए एक्स पर लिखा, पूर्व प्रधानमंत्री, भाजपा के संस्थापक एवं भारत रत्न से सम्मानित अटल बिहारी वाजपेयी जी की पुण्यतिथि पर मैं उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ। अटल जी एक ऐसे देशभक्त राजनेता थे जिन्होंने अपना पूरा जीवन राष्ट्र की सेवा में समर्पित कर

इंडोनेशिया- 9,290 लोग राहत शिविरों में पहुंचे

भूकंप से 51 लोगों की मौत, आपातकाल लागू

जकार्ता। इंडोनेशिया के पूर्वी नुसा तेंगारा आये 7.7 तीव्रता के भूकंप और उसके बाद के झटकों में 51 लोगों की मौत हो गयी तथा 113 लोग घायल हुए हैं। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी (बीएनपीबी) के अनुसार, 9,290 लोग राहत एवं निकासी केंद्रों में शरण लेने को मजबूर हुए हैं।

बीएनपीबी के डेटा, सूचना एवं आपदा संचार केंद्र के कार्यवाहक प्रमुख बर्टन एसपी पंजैतान ने रविवार को बताया कि सिका जिले में सबसे अधिक 3,356 लोग और मंगराई में 2,078 लोग राहत शिविरों में हैं। पूर्वी नुसा तेंगारा प्रांतीय सरकार ने भूकंप के बाद 15 से 28 अगस्त तक 14 दिन की आपातकालीन प्रतिक्रिया अवधि घोषित की है। राज्यपाल मेल्की लाका लेना द्वारा जारी आदेश के अनुसार, इससे प्रभावित क्षेत्रों में राहत, बचाव और पुनर्वास कार्यों में तेजी लाने में मदद मिलेगी। बीएनपीबी के अनुसार, भूकंप के बाद 341 झटके भी दर्ज किए गए। मंगराई में सबसे अधिक 23 लोगों की मौत हुई, जबकि पूर्वी मंगराई में 17, सिका में चार और पश्चिमी मंगराई, एंदे तथा नागेकेओ में एक-एक व्यक्ति की मौत हुई है। भूकंप से 1,357 मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं। इनमें 914 मकानों को भारी, 126 को मध्यम और 317 को मामूली नुकसान पहुंचा है। इसके अलावा 93 शैक्षणिक संस्थानों, 36 स्वास्थ्य केंद्रों और 38 सरकारी कार्यालयों को भी नुकसान पहुंचा है। सिका जिले में 1,356 लोग समाडोर स्पोर्ट्स हॉल में शरण लिए हुए हैं, जबकि करीब 2,000 लोग 10 अलग-अलग स्थानों पर रह रहे हैं। नागेकेओ, पश्चिम नुसा तेंगारा के बिमा शहर और दक्षिण सुलावेसी के सेलयार द्वीप समूह में भी लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। बर्टन ने कहा कि आपातकालीन प्रतिक्रिया के दौरान राहत शिविरों में लोगों की बुनियादी जरूरतें पूरी करना और आवश्यक सामग्री पहुंचाना प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि मंगराई जिले में प्रभावित लोगों के लिए आपातकालीन तंबू, 30 टन चावल, दवाइयां, एक हजार कंबल, एक हजार फोल्डिंग बेड, एक हजार चटाइयां, स्वच्छ पानी, पानी की टंकियां और जनरेटर की तत्काल आवश्यकता है।

ईरान और ओमान के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य के लिए समुद्री मानचित्र पर समझौता

तेहरान। ईरान और ओमान के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य के लिए समुद्री मानचित्र पर समझौता हो गया है, हालांकि कुछ मुद्दों पर अभी भी बातचीत चल रही है। प्रेस टीवी ने ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई के हवाले से यह जानकारी दी है। इससे पहले सऊदी ब्रॉडकास्टर अल-हदाथ ने खबर दी थी कि ईरान और ओमान के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य को परिवहन के लिए पूरी तरह खोलने पर समझौता हुआ है, जिसे ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की मंजूरी मिलनी बाकी है। चैनल के अनुसार इस समझौते की आधिकारिक घोषणा आने वाले दिनों में की जाएगी। हाल के हफ्तों में अमेरिका और ईरान पश्चिम एशिया के मध्यस्थों की मदद से संघर्ष को खत्म करने के लिए एक नए समझौते की शर्तों पर सहमत होने की कोशिश कर रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गत नौ अगस्त को कहा था कि अमेरिका ईरान के साथ बहुत धीमी गति से बातचीत कर रहा है, जबकि ईरान की आर्थिक स्थिति कथित तौर पर और खराब हो गई है।

राउत ने महाराष्ट्र मंत्रिमंडल को 'मूर्खों का मंत्रिमंडल' करार दिया

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने महाराष्ट्र सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए राज्य मंत्रिमंडल को 'मूर्खों का मंत्रिमंडल' करार देते हुए सत्ताधारी दलों के बड़े नेताओं को टेलीप्रॉम्प्टर के बिना राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' सुनाने की चुनौती दी। राउत ने मंत्री जयकुमार गोरे के बारे में टिप्पणी करने पर मिले नोटिस पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि अगर 'मूर्ख' शब्द असंसदीय है, तो सेंसर बोर्ड को इस पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा देना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि अधिकारियों ने राज्य और राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर सरकार चलाने के लिए सोच-समझकर 'मूर्खों' को इकट्ठा किया है। उन्होंने अधिकारियों को चुनौती दी कि वे इसे 'मूर्ख मंत्रिमंडल' कहने के लिए उनके खिलाफ शिकायत दर्ज करें। सोनिया गांधी के रुख को 'बौद्धिक नक्सलवाद' बताने वाले मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के बयान का जवाब देते हुए शिवसेना (यूबीटी) नेता कहा कि 'वंदे मातरम' को कांग्रेस पार्टी ने अपनाया था, भाजपा ने नहीं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और फडणवीस को टेलीप्रॉम्प्टर की मदद के बिना कम से कम दो पद सुनाने की चुनौती दी।

उन्होंने प्रधानमंत्री के स्वतंत्रता दिवस भाषण का भी मज़ाक उड़ाया और दावा किया कि लाल किले पर टेलीप्रॉम्प्टर खराब होने के कारण उन्हें पढ़ने में मुश्किल हुई। साथ ही उन्होंने मंत्री गिरीश महाजन का भी मज़ाक उड़ाया।

राउत ने 'अंधभक्त' शब्द के इस्तेमाल को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी को भेजे गये नोटिस पर कड़ी नाराज़गी जतायी और सरकार के इस कदम को सरासर बेवकूफी बताया।

बड़ी कामयाबी: डीआरआई ने सुपारी आयात में पकड़ा 2500 करोड़ रूपये का घोटाला

कोलकाता। राजस्व खुफिया निदेशालय ने आयात की जाने वाली सुपारी को फर्जी दस्तावेजों के जरिए बंगलादेशी मूल का बताकर लाने और दक्षिण एशियाई स्वतंत्र व्यापार क्षेत्र (साफ्टा) समझौते के तहत सीमा शुल्क छूट का अवैध लाभ उठाने वाले एक बड़े नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। इस अभियान में अब तक 2,500 करोड़ रुपये से अधिक के सीमा शुल्क चोरी का खुलासा हुआ है और इस सिलसिले में नौ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। यहां जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गयी। गौरतलब है कि सुपारी के आयात पर सामान्यतः 100 फीसदी सीमा शुल्क लगता है, लेकिन साफ्टा समझौते के तहत बंगलादेश से आयात की जाने वाली सुपारी पर पूरी तरह सीमा शुल्क में छूट मिलती है। खुफिया जानकारियों के आधार पर डीआरआई ने जांच शुरू की, जिसमें सामने आया कि यह गिरोह इंडोनेशिया, थाईलैंड, मलेशिया और अन्य दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों से सुपारी मंगवाता था और उसका मूल देश बंगलादेश बताकर शुल्क छूट हासिल करता था। डीआरआई के अधिकारियों ने कोलकाता और विशाखापट्टनम में आयातकों, सीमा शुल्क दलालों और अन्य लोगों से जुड़े विभिन्न परिसरों पर एक साथ छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान सुपारी के दक्षिण-पूर्वी एशियाई मूल के होने की पुष्टि करने वाले कई दस्तावेज और सबूत जब्त किए गए। इसके साथ ही लगभग 75 लाख रुपये की नकदी और 160 टन सुपारी की खेप भी जब्त की गई है।

जांच में पता चला कि यह गिरोह दक्षिण-पूर्वी एशिया से सुपारी को बंगलादेश के एक्सपोर्ट प्रोसेसिंग ज़ोन में मंगाते थे, जहां केवल उनके कंटेनर और बोरियां बदलकर उन्हें बंगलादेशी उत्पाद के रूप में भारत भेजा जाता था। इसके लिए बंगलादेशी अधिकारियों से धोखाधड़ी से साफ्टा मूल प्रमाण पत्र प्राप्त किए जाते थे। इस काम के बदले भारतीय आयातकों से भारी कमीशन लिया जाता था और लेन-देन के लिए हवाला चैनलों तथा फर्जी संस्थाओं का इस्तेमाल किया जाता था।

वेंकैया नायडू और रेखा गुप्ता ने विश्वविद्यालय मेट्रो के पास किया अटल कैंटीन का उद्घाटन, डूसू अध्यक्ष ने किया दिल्ली सरकार का धन्यावाद

नयी दिल्ली। पूर्व उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि के मौके पर रविवार को विश्वविद्यालय मेट्रो के द्वार संख्या तीन के पास अटल कैंटीन का उद्घाटन किया।

इस मौके पर दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ (डूसू) के अध्यक्ष आर्यन मान भी मौजूद थे। नायडू और गुप्ता के अलावा इस कार्यक्रम में दिल्ली सरकार में मंत्री आशीष सूद, लोकसभा सांसद मनोज तिवारी, तिमारपुर विधायक सूर्य प्रकाश खत्री तथा कई अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। मान ने डीयू के पास अटल कैंटीन खोलने को लेकर दिल्ली सरकार को धन्यवाद दिया और कहा कि यह कैंटीन से विद्यार्थियों, विश्वविद्यालय कर्मचारियों तथा आसपास के जरूरतमंदों लोगों के लिए मात्र पांच रुपये में गुणवत्तापूर्ण तथा पौष्टिक भोजन मिल सकेगा। यह अच्छी योजना है।

इस मौके पर गुप्ता ने कहा, वाजपेयी की जन्म शताब्दी के मौके पर हमने यह संकल्प लिया था कि हम उनके नाम पर दिल्ली भर में 100 अटल कैंटीन खोलेंगे। इन 100 कैंटीनों के जरिए रोजाना 1,000 लोगों को गुणवत्तापूर्ण खाना खिलाया जाएगा और लोग हर दिन पांच रुपये में भोजन कर सकेंगे।

खनिजों पर कर लगाने के राज्यों के अधिकार सीमित करना छत्तीसगढ़ के हितों के खिलाफ : दीपक बैज

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने केंद्र सरकार के खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) संशोधन विधेयक-2026 का विरोध करते हुए कहा कि इससे खनिज संपदा पर कर लगाने के राज्यों के अधिकार सीमित होंगे और छत्तीसगढ़ जैसे खनिज उत्पादक राज्यों के आर्थिक हित प्रभावित होंगे। बैज ने ये आरोप लगाया कि संसद में पारित संशोधन राज्यों द्वारा खनिज अधिकारों पर कर अथवा उपकर लगाने की शक्तियों को सीमित करता है और खनिजयुक्त भूमि के संबंध में केंद्र के अधिकारों को बढ़ाता है। उन्होंने इसे राज्यों के अधिकारों और संघीय ढांचे के विरुद्ध बताया। उन्होंने कहा कि खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम-1957 में प्रमुख और गौण खनिजों को लेकर केंद्र एवं राज्यों की भूमिका निर्धारित रही है। नए संशोधन के बाद राज्य केंद्र द्वारा निर्धारित सीमाओं से इतर खनिज अधिकारों अथवा खनिजयुक्त भूमि पर अतिरिक्त कर या लेवी नहीं लगा सकेंगे। उन्होंने दावा किया कि इससे छत्तीसगढ़ की वित्तीय स्वायत्तता और राजस्व पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि पांचवीं अनुसूची वाले क्षेत्रों में भी ग्रामसभाओं की आपत्तियों की अनदेखी कर निजी खनन कंपनियों को लाभ पहुंचाया गया है।

पी.एम. श्री स्वामी आत्मानंद शासकीय शिवलाल राठी अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, बेमेतरा में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

बेमेतरा/मूक पत्रिका

देश के 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पी.एम. श्री स्वामी आत्मानंद शासकीय शिवलाल राठी अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, बेमेतरा में देशभक्ति और उत्साह के साथ ध्वजारोहण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शाला विकास समिति के पदाधिकारीगण, सदस्यगण, शिक्षकगण, अभिभावकगण एवं विद्यार्थियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती, भारत माता एवं राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के चित्र पर पूजा-अर्चना कर पुष्प अर्पित करके, प्रार्थना एवं राष्ट्रगान के साथ किया गया। इस अवसर पर एसएमसी अध्यक्ष सोनू साहू ने मुख्य अतिथि के रूप में प्राचार्य राजकुमार डड़सेना के साथ संयुक्त रूप से तिरंगा ध्वजारोहण किया। ध्वजारोहण के पश्चात देश की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देने वाले अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। एसएमसी अध्यक्ष सोनू साहू ने कहा - ÷आज का दिन हमें देशभक्ति, त्याग और समर्पण की प्रेरणा देता है। हमारे वीर शहीदों के बलिदान के कारण ही आज हम स्वतंत्रता की खुली हवा में सांस ले पा रहे हैं। हमारे विद्यालय के प्यारे बच्चों, आप ही इस देश का उज्ज्वल भविष्य हैं। आप सभी अनुशासन, मेहनत और शिक्षा के बल पर देश और विद्यालय का नाम रोशन करें। आइए, हम सभी मिलकर विद्यालय की प्रगति और राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दें। तिरंगे को शत-शत नमन।÷ समिति सचिव एवं प्राचार्य राजकुमार डड़सेना ने कहा - ÷स्वतंत्रता दिवस हमें अपने कर्तव्यों के प्रति सचेत करता है। एक शिक्षक और नागरिक के रूप में हमारा दायित्व है कि हम बच्चों को संस्कारवान, चरित्रवान और राष्ट्रभक्त बनाएं। पीएम श्री योजना के अंतर्गत हमारा विद्यालय शिक्षा की गुणवत्ता और अधोसंरचना में निरंतर उत्कृष्ट कार्य कर रहा है। मेरा सभी विद्यार्थियों से आग्रह है कि वे खूब मन लगाकर पढ़ें और भारत को विश्वगुरु बनाने में अपनी भूमिका निभाएं।÷कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों द्वारा देशभक्ति गीतों एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी के मन को देशभक्ति से ओत-प्रोत कर दिया। अंत में राष्ट्रगान एवं मिष्ठान वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

पैरी नदी की बाढ़ से 40 से अधिक किसान प्रभावित, मुआवजा और तटबंध पुनर्निर्माण की मांग

फिंगेश्वर । पैरी नदी में आई बाढ़ से ग्राम तर्रा के किसानों को हुए नुकसान को लेकर जिला पंचायत गरियाबंद के सदस्य इंद्रजीत महाड़िक ने अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) राजिम को ज्ञापन सौंपकर प्रभावित किसानों को मुआवजा देने और क्षतिग्रस्त तटबंध का पुनर्निर्माण कराने की मांग की है। ज्ञापन में बताया गया है कि ग्राम तर्रा पैरी नदी पर बसा हुआ है, जहां तटबंध से लगी भूमि पर किसान लंबे समय से खेती करते आ रहे हैं। 29 जुलाई 2026 को तेज बारिश के कारण सिकासेर बांध से पानी छोड़े जाने के बाद पैरी नदी में तेज बहाव और बाढ़ की स्थिति निर्मित हो गई। इसके चलते तर्रा गांव के पास बना तटबंध क्षतिग्रस्त हो गया। तटबंध टूटने के कारण किसानों की करीब 80 एकड़ से अधिक कृषि भूमि में 5 से 6 फीट तक मलबा और रेत जमा हो गई। इससे लगभग 40 से अधिक किसान प्रभावित हुए हैं और उनकी फसल बर्बाद होने से आर्थिक नुकसान हुआ है। इंद्रजीत महाड़िक ने प्रशासन से इस मामले की जांच के लिए एक जांच दल गठित करने की मांग की है। उन्होंने ज्ञापन में तीन प्रमुख मांगें रखी हैं। इनमें प्रभावित किसानों की फसल क्षति का सर्वे कर उचित मुआवजा देने, क्षतिग्रस्त तटबंध की पक्की मरम्मत कर उसे सुरक्षित बनाने तथा खेतों में जमा 5-6 फीट मलबा और रेत हटाकर भूमि को दोबारा खेती योग्य बनाने की मांग शामिल है। उन्होंने कहा कि तटबंध की जल्द मरम्मत नहीं होने पर भविष्य में दोबारा बाढ़ का पानी खेतों में घुसने से किसानों को और नुकसान हो सकता है। उन्होंने प्रशासन से किसानों के हित में शीघ्र कार्रवाई कर उन्हें राहत और शासन की योजनाओं का लाभ दिलाने की मांग की है। इस अवसर पर लीलाराम साहू, योगेश साहू, यादराम साहू, बिहारी पटेल, देशराम साहू, गैंदलाल साहू, कुलेश्वर पटेल, भारत साहू, देशू पटेल, ढेलूराम साहू, शेषनारायण पटेल, कुमारी बाई, प्रेम साहू, टोमन लाल साहू, गिरवर साहू, नागेश सेन, नंदू तारक, झगरू वर्मा, बल्कू साहू, लक्षण पटेल, ओमकार तारक, ओमप्रकाश पटेल, जगेश्वर साहू, बलदाऊ ध्रुव आदि कृषकगण उपस्थित रहे।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत शिवम् कॉलेज ऑफनर्सिंग ने निकाली भव्य तिरंगा महारैली

गरियाबंद। देशभक्ति एवं राष्ट्रीय एकता की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से भारत सरकार के 'हर घर तिरंगा 2026' अभियान के तहत शिवम् कॉलेज ऑफनर्सिंग, गरियाबंद द्वारा गुरुवार को शहर में भव्य तिरंगा जागरूकता महारैली का आयोजन किया गया। इंडियन नर्सिंग कार्उंसिल, नई दिल्ली के निर्देशों के परिपालन में आयोजित इस महारैली में कॉलेज के सैकड़ों छात्र-छात्राओं, प्राध्यापकों एवं स्टाफ ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। महारैली का शुभारंभ शहर के हृदय स्थल गांधी मैदान से हुआ। कॉलेज के प्राचार्य एवं शिक्षकगणों के नेतृत्व में छात्र-छात्राएं हाथों में तिरंगा लेकर अनुशासित कतार में रैली के रूप में निकले। छात्र-छात्राओं में देशभक्ति का उत्साह देखते ही बन रहा था। कई विद्यार्थी तिरंगे के रंगों से सुसज्जित वेशभूषा में नजर आए। हाथों में लहराता तिरंगा और देशभक्ति के नारों ने पूरे वातावरण को राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत कर दिया। रैली के दौरान ÷हर घर तिरंगा, घर-घर तिरंगा÷, ÷भारत माता की जय÷ सहित देशभक्ति के नारों से गरियाबंद शहर गूंज उठा। महारैली गांधी मैदान से प्रारंभ होकर शहर के प्रमुख मार्ग गौरव पथ से होते हुए तिरंगा चौक पहुंची। रैली के मार्ग में आम नागरिकों ने भी छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन किया तथा 'हर घर तिरंगा' अभियान की सराहना की। महारैली का उद्देश्य केवल तिरंगा यात्रा निकालना ही नहीं, बल्कि आम नागरिकों को राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान, देश की एकता एवं अखंडता तथा राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक करना भी रहा। छात्र-छात्राओं ने लोगों से अपने-अपने घरों पर तिरंगा फहराने तथा स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशभक्ति की भावना के साथ इस अभियान में सहभागिता करने की अपील की। तिरंगा चौक पहुंचने के बाद महारैली का समापन राष्ट्र के प्रति सम्मान एवं समर्पण की भावना के साथ राष्ट्रीय गीत 'वन्दे मातरम्' के सामूहिक गायन से हुआ। इस दौरान उपस्थित छात्र-छात्राओं एवं कॉलेज स्टाफ ने राष्ट्र की एकता और अखंडता को बनाए रखने तथा देशहित में अपना योगदान देने का संकल्प लिया।

स्वतंत्रता दिवस परेड में बेमेतरा पुलिस का शानदार प्रदर्शन, प्रथम और द्वितीय प्लाटून को मिला सम्मान

बेमेतरा/मूक पत्रिका

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिला मुख्यालय बेमेतरा के ऐतिहासिक बेसिक स्कूल परेड ग्राउंड में आयोजित जिला स्तरीय समारोह में बेमेतरा पुलिस के जवानों ने अनुशासन, कदमताल और देशभक्ति का शानदार प्रदर्शन किया। परेड प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर जिला पुलिस बल की प्रथम एवं द्वितीय प्लाटून को क्रमशः प्रथम और द्वितीय पुरस्कार तथा नगर सेना प्लाटून को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि दुर्ग लोकसभा सांसद विजय बघेल ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले पुलिस एवं नगर सेना के अधिकारियों-कर्मचारियों को शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर बेमेतरा विधायक दीपेश साहू, भाजपा जिला अध्यक्ष अजय साहू, नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा, बेमेतरा जनपद अध्यक्ष श्रीमती हेमाजय दिवाकर, छत्तीसगढ़ राज्य अनुसूचित जाति आयोग के सदस्य दयावंत बांधे, पूर्व जिला अध्यक्ष राजेन्द्र शर्मा, कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं, पुलिस अधीक्षक त्रिलोक बंसल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. हरीश यादव सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी, गणमान्य नागरिक, विद्यार्थी एवं मीडिया प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

स्वतंत्रता दिवस परेड का नेतृत्व रक्षित निरीक्षक प्रवीण कुमार खलखो ने किया। मुख्य अतिथि विजय बघेल ने परेड का निरीक्षण किया। परेड में जिला पुलिस बल, नगर सैनिक, एनसीसी, स्काउट-गाइड एवं रेडक्रॉस के दल शामिल हुए। सभी दलों ने अनुशासन और देशभक्ति की भावना के साथ शानदार मार्चपास्ट प्रस्तुत किया।

परेड में प्रथम प्लाटून के कमांडर प्रशिक्षु उप निरीक्षक विजयेन्द्र कश्यप, द्वितीय प्लाटून के कमांडर प्रशिक्षु उप निरीक्षक सूरज प्रकाश जांगड़े तथा नगर सेना के तृतीय प्लाटून कमांडर हवलदार भुनेश्वर डेहरे की टीमों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। परेड कमांडर रक्षित निरीक्षक प्रवीण कुमार खलखो तथा प्रशिक्षु सुबेदार चुम्मन राम एवं उर्वशा टू-आईसी की टीमों ने भी आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

समारोह के दौरान जवानों ने हर्ष फायर के साथ राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी। एनसीसी कैडेट्स, स्काउट-गाइड एवं रेडक्रॉस के विद्यार्थियों ने भी अनुशासन, समर्पण और राष्ट्रसेवा की भावना का प्रभावी प्रदर्शन किया। परेड के दौरान उपस्थित नागरिकों ने तालियों की गड़गड़ाहट से जवानों और विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया।स्वतंत्रता दिवस समारोह में बेमेतरा पुलिस एवं नगर सेना के शानदार प्रदर्शन ने आयोजन में देशभक्ति और राष्ट्रसेवा की भावना को और मजबूत किया।

अखिल भारतीय उपभोक्ता उत्थान संगठन के रायपुर जिला अध्यक्ष दुर्गेश वर्मा बने तिल्दा -नेवरा स्टेशन सलाहकार समिति के सदस्य

तिल्दा-नेवरा/ रायपुर । रेलवे स्टेशन से जुड़ी यात्री सुविधाओं, रेल सेवाओं और क्षेत्र की लंबित मांगों को उचित मंच तक पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल हुई है। रेलवे प्रशासन द्वारा तिल्दा-नेवरा रेलवे स्टेशन सलाहकार समिति का गठन किया गया है। इस समिति में अखिल भारतीय उपभोक्ता उत्थान संगठन के रायपुर जिला अध्यक्ष दुर्गेश वर्मा को सदस्य नियुक्त किया गया है।

उनकी नियुक्ति से संगठन के पदाधिकारियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, व्यापारियों एवं क्षेत्रवासियों में हर्ष का माहौल है।रेलवे प्रशासन द्वारा सलाहकार समिति के गठन की प्रक्रिया के तहत क्षेत्र में सक्रिय विभिन्न सामाजिक, व्यापारिक एवं जनहित से जुड़े संगठनों से सदस्यों के नाम आमंत्रित किए गए थे। इसमें छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफकॉमर्स, अखिल भारतीय व्यापारी परिसंघ, चावल मिल एसोसिएशन, अखिल भारतीय उपभोक्ता उत्थान संगठन सहित अन्य स्व-सरकारी निकाय संस्थाओं से प्रतिनिधियों के नाम मांगे गए थे। प्राप्त अनुशंसाओं एवं निर्धारित प्रक्रिया के बाद रेलवे द्वारा समिति का गठन किया गया।जारी सूची के अनुसार विभिन्न संगठनों की अनुशंसा पर सदस्यों को समिति में शामिल किया गया है। इसी क्रम में अखिल भारतीय उपभोक्ता उत्थान संगठन के रायपुर जिला अध्यक्ष दुर्गेश वर्मा को तिल्दा-नेवरा रेलवे स्टेशन सलाहकार समिति में सदस्य की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा मनीष कोटवानी को अखिल भारतीय व्यापारी परिसंघ, रमेश अग्रवाल को चावल मिल एसोसिएशन तिल्दा-नेवरा ,नरेश जोतवानी को छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफकॉमर्स सनत सेन स्थानीय स्व9 सरकारी निकाय की अनुशंसा पर समिति में सदस्य बनाया गया है। यात्री सुविधाओं और रेल समस्याओं को लेकर बढ़ी उम्मीदेंतिल्दा-नेवरा क्षेत्र के लोगों की लंबे समय से रेलवे से जुड़ी कई मांगें रही हैं। रेलवे स्टेशन पर यात्री सुविधाओं में विस्तार, ट्रेनों के ठहराव, समय-सारिणी से संबंधित समस्याएं, प्लेटफॉर्म एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं में सुधार सहित कई मुद्दे समय-समय पर उठते रहे हैं। नई सलाहकार समिति के गठन के बाद क्षेत्रवासियों को उम्मीद है कि इन समस्याओं को अब रेलवे के समक्ष व्यवस्थित एवं प्रभावी तरीके से रखा जाएगा। समिति के सदस्यों के माध्यम से यात्रियों और आम नागरिकों से जुड़े सुझावों एवं समस्याओं को रेलवे अधिकारियों तक पहुंचाने का बेहतर मंच उपलब्ध होगा।जनहित के मुद्दों को प्राथमिकता देने की उम्मीददुर्गेश वर्मा की नियुक्ति को उपभोक्ता एवं जनहित से जुड़े मुद्दों को रेलवे के समक्ष रखने की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

एक शाम शहीदों के नाम : देशभक्ति के रंग में सराबोर हुआ गरियाबंद

गरियाबंद। स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर गरियाबंद-रायपुर मार्ग स्थित पुराने एसपी कार्यालय परिसर में पुलिस विभाग की ओर से ÷एक शाम शहीदों के नाम÷ कार्यक्रम का भव्य एवं यादगार आयोजन किया गया। शाम ढलते ही पूरा परिसर देशभक्ति के रंग में रंग गया। देशभक्ति गीतों, संगीत और नृत्य की शानदार प्रस्तुतियों ने ऐसा माहौल बनाया कि हर किसी के चेहरे पर उत्साह और दिल में शहीदों के प्रति सम्मान नजर आया। कार्यक्रम में पुलिस विभाग के अधिकारियों एवं जवानों के साथ शहर के गणमान्य नागरिकों, युवाओं और आम लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। मंच से एक के बाद एक देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति दी गई, जिस पर मौजूद दर्शक तालियों के साथ कलाकारों का उत्साह बढ़ाते नजर आए। संगीत की मधुर धुनों के बीच जब देशभक्ति के गीत गूंजे तो पूरा माहौल भावुक होने के साथ-साथ जोश और जुनून से भर उठा।नगर के प्रतिष्ठित व्यापारी आशीष ठक्कर ने दी शानदार देशभक्ति गीत की प्रस्तुति।उनकी सुरीली आवाज ने कार्यक्रम में मौजूद लोगों का दिल जीत लिया।देशभक्ति के जज्बे से सजी प्रस्तुति पर दर्शकों ने जमकर तालियां बजाई।आशीष ठक्कर की प्रस्तुति ने ÷एक शाम शहीदों के नाम÷ को और यादगार बना दिया।डीएसपी गोपाल वैश्य के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम की खास बात यह रही कि पुलिस अधिकारी भी इस संगीतमय शाम का हिस्सा बने। डीएसपी गोपाल वैश्य लगातार कलाकारों और पुलिसकर्मियों का हौसला बढ़ाते नजर आए। देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति के दौरान वे स्वयं मंच पर पहुंचे और जमकर थिरकते हुए कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। उनका यह अंदाज देखकर कार्यक्रम स्थल पर मौजूद लोगों ने भी तालियों की गड़गड़ाहट से उनका स्वागत किया। डीएसपी गोपाल वैश्य ने कहा कि शहीदों का बलिदान देश की सबसे बड़ी विरासत है। ÷एक शाम शहीदों के नाम÷ जैसे आयोजन केवल मनोरंजन के लिए नहीं, बल्कि युवाओं और समाज को उन वीर सपूतों की कुर्बानी से जोड़ने का माध्यम हैं, जिन्होंने देश की रक्षा के लिए अपना जीवन न्योछावर कर दिया। उन्होंने कहा कि संगीत और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से देशभक्ति की भावना को जन-जन तक पहुंचाना जरूरी है। कार्यक्रम में पुलिसकर्मियों की अलग-अलग प्रस्तुतियों ने भी खूब तालियां बटोरीं। जवानों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए देशभक्ति गीतों और नृत्य के जरिए माहौल में जोश भर दिया। पुलिस की वर्दी में जवानों का मंच पर देशभक्ति के गीतों पर प्रस्तुति देना लोगों के लिए विशेष आकर्षण रहा।शहीदों को याद करने के साथ-साथ कार्यक्रम ने पुलिस और आम जनता के बीच जुड़ाव की एक खूबसूरत तस्वीर भी पेश की। पुलिस अधिकारी, जवान और शहरवासी एक ही मंच और एक ही भावना के साथ नजर आए। किसी के हाथ तालियों में उठे तो कोई देशभक्ति गीतों के साथ सुर मिलाता नजर आया। पुराने एसपी कार्यालय का परिसर देर रात तक देशभक्ति के गीतों से गूंजता रहा। तिरंगे और देशभक्ति के माहौल के बीच आयोजित इस कार्यक्रम ने स्वतंत्रता दिवस की खुशियों को और खास बना दिया। कार्यक्रम में मौजूद लोगों का कहना था कि शहीदों को याद करने का इससे बेहतर तरीका क्या हो सकता है कि उनकी कुर्बानी को गीत-संगीत और देशभक्ति की भावना के साथ नई पीढ़ी तक पहुंचाया जाए।

मिनी स्टेडियम में सांसद महेश कश्यप ने किया ध्वजारोहण

नक्सल मुक्त बीजापुर के पहले स्वतंत्रता दिवस पर शान से लहराया तिरंगा

बीजापुर/मूक पत्रिका

आशीष पदमवार। नक्सल हिंसा के लंबे दौर से बाहर निकलकर शांति और विकास की ओर बढ़ रहे बीजापुर में इस बार स्वतंत्रता दिवस का आयोजन खास रहा। नक्सल मुक्त बीजापुर के पहले स्वतंत्रता दिवस पर मिनी स्टेडियम में 80वां स्वतंत्रता दिवस गरिमामय और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

बस्तर सांसद महेश कश्यप ने ध्वजारोहण कर परेड की सलामी ली। राष्ट्रगीत और राष्ट्रगान के सामूहिक गायन के बाद रंग-बिरंगे गुब्बारे आसमान में छोड़े गए।समारोह में सांसद महेश कश्यप ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का प्रदेश की जनता के नाम संदेश पढ़कर सुनाया। उन्होंने स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए राष्ट्र निर्माण में सभी की भागीदारी और जिले के विकास के लिए समर्पित होकर कार्य करने का आह्वान किया।

शहीद जवानों के परिजनों का सम्मान

नक्सल उन्मूलन अभियान में शहीद हुए जवानों के परिजनों को सांसद महेश कश्यप ने शॉल एवं श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया। इस दौरान शहीद जवानों के बलिदान को नमन करते हुए उनके परिजनों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त की गई।जिले में शिक्षा, स्वास्थ्य, पुलिस सहित विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों को भी प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

परेड में बस्तर फाइटर महिला प्रथम

परेड एवं मार्च पास्ट के सीनियर वर्ग में बस्तर फाइटर महिला ने प्रथम स्थान हासिल किया। सीआरपीएफ बीजापुर द्वितीय और डीआरजी जिला पुलिस तृतीय स्थान पर रही। जूनियर असैन्य वर्ग में एनसीसी प्रथम, एनएसएस द्वितीय और गाइड तृतीय स्थान पर रहे।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में कस्तूरबा विद्यालय अव्वल

समारोह में विद्यार्थियों ने देशभक्ति और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय बीजापुर ने प्रथम, एकलव्य आदर्श विद्यालय ने द्वितीय और कन्या रेसिडेंशियल पोटा केबिन बीजापुर ने तृतीय स्थान हासिल किया।मुख्य अतिथि सांसद महेश कश्यप, कलेक्टर विश्वदीप और पुलिस अधीक्षक उमेश प्रसाद गुप्ता ने विजेताओं को पुरस्कार एवं सम्मान प्रदान किया।

जनप्रतिनिधि और अधिकारी रहे मौजूद

समारोह में विधायक विक्रम शाह मंडावी, जिला पंचायत अध्यक्ष जानकी कोरसा, नगरपालिका अध्यक्ष गीता सोम पुजारी, डीएफओ डॉ. जाधव सागर, जिला पंचायत सीईओ नम्रता चौबे, इंद्रावती टाइगर रिजर्व के उपनिदेशक संदीप बलगा, एडिशनल एसपी अमन कुमार झा, एडिशनल एसपी रविन्द्र मीणा, अपर कलेक्टर भूपेन्द्र अग्रवाल सहित जिला एवं पुलिस प्रशासन के अधिकारी, जनप्रतिनिधि, विद्यार्थी, मीडिया प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे।

समारोह में ये रहे विजेता

सीनियर परेड

प्रथम : बस्तर फाइटर महिला
द्वितीय : सीआरपीएफ बीजापुर
तृतीय : डीआरजी जिला पुलिस

जूनियर असैन्य मार्च पास्ट

प्रथम : एनसीसी
द्वितीय : एनएसएस
तृतीय : गाइड

सांस्कृतिक कार्यक्रम

प्रथम : कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय
द्वितीय : एकलव्य आदर्श विद्यालय तृतीय : कन्या रेसिडेंशियल पोटा केबिन

बदलाव की तस्वीरः नक्सल हिंसा के लंबे दौर से प्रभावित रहे बीजापुर में नक्सल मुक्त माहौल के बीच मनाया गया यह स्वतंत्रता दिवस जिले के लिए ऐतिहासिक अवसर रहा। मिनी स्टेडियम में शान से लहराता तिरंगा शांति, विकास और नए बीजापुर के संकल्प का प्रतीक बना।

उत्साह और गरिमामय वातावरण में मनाया गया स्वतंत्रता दिवस, सांसद विजय बघेल ने ध्वजारोहण कर परेड की ली सलामी, मुख्यमंत्री के संदेश का किया वाचन

सराहनीय कार्य के लिए अधिकारी-कर्मचारियों का सम्मान — शहीदों एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजनों को किया गया सम्मानित

देशभक्ति से ओत-प्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बांधा समां, पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय बहेरा कुसमी रहा प्रथम

बेमेतरा- स्वतंत्रता दिवस का राष्ट्रीय पर्व जिले में पूरे उत्साह, उमंग, गौरव और गरिमामय वातावरण में समारोहपूर्वक मनाया गया। जिला मुख्यालय बेमेतरा स्थित ऐतिहासिक बेसिक स्कूल मैदान में आयोजित स्वतन्त्रता दिवस मुख्य समारोह में दुर्ग लोकसभा क्षेत्र के सांसद विजय बघेल ने मुख्य अतिथि के रूप में ध्वजारोहण कर राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी। ध्वजारोहण के पश्चात पुलिस एवं अन्य प्लाटूनों द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर प्रस्तुत किया गया। पूरे मैदान में देशभक्ति, राष्ट्रप्रेम और राष्ट्रीय गौरव का वातावरण दिखाई दिया। मुख्य अतिथि विजय बघेल ने ध्वजारोहण के पश्चात मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का प्रदेश की जनता के नाम प्रेषित संदेश का वाचन किया। उन्होंने अपने संदेश में प्रदेश के विकास, सुशासन, जनकल्याणकारी योजनाओं तथा राज्य के नागरिकों की खुशहाली के लिए किए जा रहे प्रयासों का उल्लेख किया। इसके पश्चात मुख्य अतिथि ने उल्लास और उमंग के प्रतीक रंग-बिरंगे गुब्बारों को आसमान में छोड़कर स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं।

परेड का निरीक्षण कर जवानों का बढ़ाया उत्साह

स्वतंत्रता दिवस समारोह की परेड का नेतृत्व रक्षित निरीक्षक प्रवीण कुमार खलको ने किया। मुख्य अतिथि विजय बघेल ने परेड का निरीक्षण किया। परेड में जिला पुलिस बल पुरुष, जिला पुलिस बल महिला, एनसीसी पुरुष, एनसीसी महिला, स्काउट-गाइड तथा रेडक्रॉस के दल शामिल हुए। विभिन्न प्लाटूनों ने अनुशासन, कदमताल और देशभक्ति की भावना के साथ शानदार मार्चपास्ट प्रस्तुत किया।परेड के दौरान जवानों द्वारा हर्ष फायर किया गया तथा राष्ट्रपति की जयकारा के साथ राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी गई। परेड में शामिल जवानों, एनसीसी कैडेट्स, स्काउट-गाइड एवं रेडक्रॉस के विद्यार्थियों ने अनुशासन, समर्पण और राष्ट्रसेवा की भावना का प्रभावी प्रदर्शन किया। उपस्थित नागरिकों ने तालियों की गड़गड़ाहट से प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों का सम्मान

स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान जिले में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों को प्रशस्ति एवं सम्मान प्रदान किया गया। जिला प्रशासन एवं विभिन्न विभागों में अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करते हुए उल्लेखनीय कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों को मुख्य अतिथि विजय बघेल द्वारा सम्मानित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी गईं। इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों का सम्मान उनके कार्यों के प्रति प्रोत्साहन के साथ-साथ अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी जनसेवा में बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित करने वाला रहा।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं शहीद परिवारों का सम्मान

स्वतंत्रता दिवस समारोह में देश की आजादी के लिए संघर्ष करने वाले स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के योगदान को श्रद्धापूर्वक स्मरण किया गया। स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजनों तथा शहीद जवानों के परिवारजनों को मुख्य अतिथि द्वारा शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। सम्मानित स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों में स्व. श्री कृपाराम आ. दीना, स्व. श्री मुंजन आ. सुखभजन सिंह, स्व. श्री रामदास आ. चैनदास, स्व. श्री लक्ष्मण प्रसाद वैघ आ. रामलाल, स्व. श्री अवध राम आ. उन्नतराम कुर्मी, स्व. श्री मल्लूराम आ. दीनदयाल, स्व. श्री बुधराम आ. दीना, स्व. श्री मुकुटराम आ. नारायण, स्व. श्री ख़म्हन लाल आ. गोवर्धन तथा स्व. श्री कलीराम आ. सदाशिव के परिजन शामिल रहे। इसी प्रकार लोकतंत्र सेनानी (मीसाबंदी) स्व. श्री महेश तिवारी आ. रामसनेही तिवारी की ओर से श्रीमती शारदा तिवारी का भी सम्मान किया गया। शहीद जवानों के परिजनों को भी शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और शहीद परिवारों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए उनके त्याग एवं बलिदान को नमन किया गया।

देशभक्ति से सराबोर सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने बांधा समा

समारोह का सबसे आकर्षक एवं भावपूर्ण पक्ष स्कूली छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम रहा। विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने देशभक्ति, राष्ट्रप्रेम, स्वतंत्रता संग्राम, भारतीय संस्कृति और राष्ट्रीय एकता की भावना से ओत-प्रोत रंगारंग प्रस्तुतियां दीं। विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों में देश के वीर सपूतों के त्याग, बलिदान और राष्ट्रप्रेम की झलक देखने को मिली। गीत, नृत्य एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से विद्यार्थियों ने उपस्थित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं नागरिकों को भाव-विभोर कर दिया। दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट से प्रतिभागी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के संकलित परिणाम में प्रथम स्थान पीएम जवाहर नवोदय विद्यालय बहेरा कुसमी, द्वितीय स्थान कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय बेमेतरा तथा तृतीय स्थान अम्बो पब्लिक स्कूल बेमेतरा को प्राप्त हुआ। विजेता संस्थाओं को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

परेड प्रतियोगिता में जिला पुलिस बल का दबदबा

स्वतंत्रता दिवस समारोह में आयोजित परेड प्रतियोगिता के संकलित परिणाम में प्रथम स्थान जिला पुलिस बल प्लाटून नंबर 01, द्वितीय स्थान जिला पुलिस बल प्लाटून नंबर 02 तथा तृतीय स्थान नगर सेना प्लाटून नंबर 03 को प्राप्त हुआ। इसी प्रकार जूनियर डिवीजन में प्रथम स्थान शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बेमेतरा एनसीसी (प्लाटून नंबर 04) को प्राप्त हुआ। द्वितीय स्थान स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिन्दी माध्यम विद्यालय बेमेतरा रेडक्रॉस (प्लाटून नंबर 07) तथा तृतीय स्थान एलंस सैनिक स्कूल बीजाभाट सैनिक (प्लाटून नंबर 06) को मिला। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सभी प्लाटूनों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

राष्ट्रीय पर्व में जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों की रही गरिमामय उपस्थिति

स्वतंत्रता दिवस के मुख्य समारोह में बेमेतरा विधायक दीपेश साहू, समारोह में कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं एवं पुलिस अधीक्षक त्रिलोक बंसल की गरिमामय उपस्थिति रही। वरिष्ठ जनप्रतिनिधि अजय साहू, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती प्रेमलता पद्माकर, अपर कलेक्टर प्रकाश भारद्वाज, सभी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, अन्य जनप्रतिनिधिगण, गणमान्य नागरिक, जिला एवं पुलिस प्रशासन के अधिकारी-कर्मचारी, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, विद्यालयों के शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित रहे। जिला प्रशासन द्वारा स्वतंत्रता दिवस समारोह की सभी व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित एवं गरिमापूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए आवश्यक तैयारियां की गई थीं।

राष्ट्रप्रेम और एकता का संदेश लेकर संपन्न हुआ समारोह

स्वतंत्रता दिवस समारोह ने जिलेवासियों में राष्ट्रप्रेम, एकता, भाईचारे और देश के प्रति जिम्मेदारी की भावना को और मजबूत किया। राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान, देश के वीर शहीदों एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के त्याग को स्मरण करते हुए उपस्थित नागरिकों ने देश की एकता, अखंडता और विकास में अपनी भूमिका निभाने का संकल्प लिया। बेसिक स्कूल मैदान में आयोजित यह समारोह देशभक्ति के नारों, तिरंगे की शान, अनुशासित परेड, विद्यार्थियों की मनमोहक प्रस्तुतियों और सम्मान समारोह के साथ पूरे उत्साह एवं गरिमा के साथ संपन्न हुआ। स्वतंत्रता दिवस के इस अवसर पर बेमेतरा जिले ने राष्ट्रप्रेम और देशभक्ति की भावना से ओत-प्रोत होकर आजादी के अमर नायकों को श्रद्धापूर्वक नमन किया।

साप्ताहिक बाजार में पुलिस ने चलाया साइबर जागरूकता अभियान

सेल्फी लेकर लोगों ने सोशल मीडिया पर दिया जागरूकता का संदेश

बीजापुर/मूक पत्रिका

आशीष पदमवार। साइबर ठगी के बढ़ते मामलों के बीच लोगों को जागरूक करने के लिए रविवार को बीजापुर के साप्ताहिक बाजार में पुलिस ने साइबर जागृति अभियान चलाया। बाजार में पहुंचे नागरिकों, दुकानदारों और युवाओं को साइबर अपराध के तरीकों और उनसे बचाव के उपायों की जानकारी दी गई। बड़ी संख्या में लोगों ने अभियान में हिस्सा लिया और सेल्फी लेकर सोशल मीडिया पर साइबर जागरूकता का संदेश साझा किया।छत्तीसगढ़ पुलिस की ओर से 15 अगस्त से 2 अक्टूबर तक सात सप्ताह का प्रदेशव्यापी साइबर जागृति अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत पुलिस टीम ने बाजार में लोगों से संवाद किया। पुलिस ने डिजिटल अरेस्ट, ह्व्ज्ञक्रफ्रॉड, फर्जी कस्टमर केयर, चड्ढुष्ट अपडेट के नाम पर ठगी, फर्जी लिंक और त्तक्र कोड, सोशल मीडिया फ्रॉड, बैंकिंग फ्रॉड तथा निवेश के नाम पर होने वाली धोखाधड़ी से सावधान किया। पुलिस ने लोगों से कहा कि किसी अनजान व्यक्ति के साथ ह्व्ज्ञक्र व्क्हृह, पासवर्ड या बैंक खाते से जुड़ी गोपनीय जानकारी साझा न करें। संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने और अनजान त्तक्र कोड स्कैन करने से भी बचें। अधिक रिटर्न का लालच देने वाली ऑनलाइन निवेश योजनाओं की भी पूरी जांच करने की सलाह दी गई।

ठगी होते ही 1930 पर करें शिकायत

पुलिस ने बताया कि साइबर ठगी होने पर घबराने के बजाय तत्काल संबंधित बैंक को सूचना दें और साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराएं। समय पर शिकायत करने से ठगी की रकम को रोकने की संभावना बढ़ सकती है। बाजार में पंपलेट और पोस्टर के माध्यम से भी लोगों को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया।

इन बातों का रखें ध्यान

- OTP, PIN और पासवर्ड किसी से साझा न करें।
- अनजान लिंक और त्तक्र कोड से सावधान रहें।
- फर्जी कस्टमर केयर नंबरों पर भरोसा न करें।
- डिजिटल अरेस्ट के नाम पर डराने वालों के झांसे में न आएं।
- ऑनलाइन निवेश से पहले योजना और संबंधित संस्था की जांच करें।
- ठगी होने पर तुरंत बैंक और 1930 पर शिकायत करें।

पुलिस की अपील:

डिजिटल सुविधाओं का उपयोग करते समय सतर्क रहें और साइबर अपराध से बचाव के लिए परिवार व आसपास के लोगों को भी जागरूक करें।

कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं ने अपने निवास पर ध्वजारोहण के बाद कलेक्टोरेट परिसर में फहराया तिरंगा

कलेक्टर निवास से कलेक्टोरेट तक गूंजा देशभक्ति का संदेश

बेमेतरा/मूक पत्रिका

स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर जिला मुख्यालय बेमेतरा में राष्ट्रीय पर्व पूरे उत्साह, उमंग और गरिमामय वातावरण में मनाया गया। इसी क्रम में कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं ने सर्वप्रथम अपने शासकीय निवास परिसर में विधिवत पूजा-अर्चना के पश्चात राष्ट्रीय ध्वज फहराकर स्वतंत्रता दिवस समारोह की शुरुआत की। इसके बाद उन्होंने कलेक्टोरेट परिसर पहुंचकर वहां भी विधिवत ध्वजारोहण किया। दोनों स्थानों पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति में राष्ट्रध्वज को सलामी दी गई और राष्ट्रगान के सामूहिक गायन के साथ वातावरण देशभक्ति की भावना से गूंज उठा।

शासकीय निवास में विधिवत पूजा-अर्चना के बाद किया ध्वजारोहण

स्वतंत्रता दिवस की सुबह कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं ने अपने शासकीय निवास परिसर में राष्ट्रीय ध्वज का विधिवत पूजन एवं पूजा-अर्चना की। उन्होंने राष्ट्रध्वज को नमन करते हुए देश की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं वीर शहीदों को श्रद्धापूर्वक स्मरण किया। इसके पश्चात उन्होंने ध्वजारोहण किया। ध्वजारोहण के बाद उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा राष्ट्रगान का सामूहिक गायन किया गया। इस दौरान शासकीय निवास परिसर में राष्ट्रीय पर्व की गरिमा के अनुरूप देशभक्ति और राष्ट्रप्रेम का वातावरण दिखाई दिया। कलेक्टर ने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज का दिन देश के लिए बलिदान देने वाले वीरों के त्याग और संघर्ष को स्मरण करने का अवसर है।

कलेक्टोरेट परिसर में भी फहराया तिरंगा

शासकीय निवास में ध्वजारोहण के पश्चात कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं कलेक्टोरेट परिसर पहुंचीं, जहां जिला स्तरीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति में स्वतंत्रता दिवस का समारोह आयोजित किया गया। कलेक्टर ने कलेक्टोरेट परिसर में भी विधिवत पूजा-अर्चना एवं राष्ट्रध्वज का पूजन कर तिरंगा फहराया। ध्वजारोहण के पश्चात उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने राष्ट्रगान का सामूहिक गायन किया। राष्ट्रीय ध्वज के आसमान में लहराते ही पूरा कलेक्टोरेट परिसर देशभक्ति के भाव से सराबोर हो गया। अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने राष्ट्रध्वज को सलामी देते हुए देश की एकता, अखंडता, संप्रभुता और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

अधिकारियों-कर्मचारियों को दी स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं

इस अवसर पर कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं ने कलेक्टोरेट परिसर में उपस्थित सभी जिला स्तरीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता केवल हमारा अधिकार नहीं, बल्कि इसके साथ देश और समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारियां भी जुड़ी हुई हैं। प्रत्येक शासकीय अधिकारी एवं कर्मचारी का दायित्व है कि वह पूरी निष्ठा, ईमानदारी और संवेदनशीलता के साथ आम नागरिकों की सेवा करे। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों से शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यक्रमों का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय पर पहुंचाने तथा प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता, जवाबदेही एवं संवेदनशीलता बनाए रखने का आह्वान किया।

स्वतंत्रता सेनानियों और वीर शहीदों को किया नमन

कलेक्टर ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देश की आजादी के लिए संघर्ष करने वाले स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, अमर शहीदों और राष्ट्र की रक्षा में अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर जवानों को श्रद्धापूर्वक नमन किया। उन्होंने कहा कि आज हम जिस स्वतंत्र एवं लोकतांत्रिक भारत में जीवन व्यतीत कर रहे हैं, उसके पीछे असंख्य वीरों का त्याग, संघर्ष और बलिदान है। उनके आदर्शों और मूल्यों को अपने जीवन एवं कार्यों में आत्मसात करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है।

कलेक्टोरेट परिसर में नजर आया राष्ट्रीय पर्व का उत्साह

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कलेक्टोरेट परिसर को राष्ट्रीय पर्व के अनुरूप सजाया गया था। राष्ट्रध्वज के सम्मान में आयोजित ध्वजारोहण कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी, कर्मचारी एवं कलेक्टोरेट के अधिकारी-कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने उत्साहपूर्वक राष्ट्रीय पर्व में सहभागिता की और एक-दूसरे को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर कलेक्टोरेट परिसर में राष्ट्रगान के साथ देशभक्ति का वातावरण बना रहा। अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने राष्ट्र की सेवा, सुशासन को मजबूत करने और आम नागरिकों की समस्याओं के निराकरण के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने का संकल्प लिया। इस प्रकार स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं द्वारा सर्वप्रथम शासकीय निवास में पूजा-अर्चना के साथ ध्वजारोहण तथा इसके पश्चात कलेक्टोरेट परिसर में ध्वजारोहण कर राष्ट्रीय पर्व की गरिमा एवं उत्साह को अभिव्यक्त किया गया। दोनों स्थानों पर आयोजित कार्यक्रमों में राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान, देशभक्ति और जनसेवा की भावना स्पष्ट रूप से दिखाई दी।

संपादकीय

होर्मुज संकट का दूसरा खतरा- समुद्र की पारिस्थितिकी पर मंडराया बड़ा संकट

अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध समाप्त करने को लेकर अंतरिम समझौता होने के बावजूद शांति वार्ता आगे नहीं बढ़ पा रही है। एक बार संघर्ष विराम पर सहमति बनने के बाद भी दोनों देशों की ओर से वार-पलटवार का सिलसिला जारी है।पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष का असर अब केवल तेल, गैस और अन्य वस्तुओं की आपूर्ति प्रभावित होने तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि इससे समुद्र की पारिस्थितिकी पर भी खतरा मंडराने लगा है। होर्मुज जलमार्ग की नाकेबंदी से दुनिया पर आर्थिक असर को लेकर तो आकलन लगातार किया जा रहा है, लेकिन इस क्षेत्र में लंबे समय तक जहाजों की आवाजाही बंद रहने से पैदा होने वाले संभावित पारिस्थितिकी नुकसान पर अब तक कम ही ध्यान दिया गया है।हाल में किए गए एक अध्ययन के मुताबिक, बीती फरवरी से फारस की खाड़ी में खड़े डेढ़ हजार से अधिक वाणिज्यिक जहाज गंभीर पर्यावरणीय खतरा पैदा कर सकते हैं। इन जहाजों के स्थिर रहने से इनके बाहरी हिस्सों पर समुद्री जीवों और वनस्पतियों की परत जमा हो सकती है। जब ये जहाज अलग-अलग बंदरगाहों की ओर रवाना होंगे, तो इनके साथ समुद्री जीव नए क्षेत्रों में पहुंच सकते हैं, जिससे जैव-सुरक्षा के लिहाज से नया खतरा पैदा होने की आशंका है। यह अफसोसनाक है कि इस दोहरे खतरे से बेफिक्र होकर अमेरिका और ईरान अपनी-अपनी जिद पर अड़े हैं।गौरतलब है कि अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध समाप्त करने को लेकर अंतरिम समझौता होने के बावजूद शांति वार्ता आगे नहीं बढ़ पा रही है। एक बार संघर्ष विराम पर सहमति बनने के बाद भी दोनों देशों की ओर से वार-पलटवार का सिलसिला जारी है। इसी का नतीजा है कि ईरान ने होर्मुज जलमार्ग को फिर से बंद कर दिया है और इसके जवाब में अमेरिका ने दोबारा पूरे क्षेत्र की नाकेबंदी कर दी है।ईरान ने बीते सोमवार को दो टूक कहा कि जब तक अमेरिका उनकी शर्तों को स्वीकार नहीं करेगा, तब तक वह होर्मुज जलमार्ग को फिर से नहीं खोलेगा। दरअसल, ईरान चाहता है कि अमेरिका नाकेबंदी हटाए, युद्ध से हुए नुकसान के लिए मुआवजा दे, आर्थिक प्रतिबंध खत्म करे और उसकी जब्त संपत्तियों को मुक्त करे। ईरान की इन शर्तों को लेकर अमेरिका कितना गंभीर है, इसका अंदाजा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस बयान से लगाया जा सकता है, जिसमें उन्होंने कहा कि तेहरान के वार्ताकारों ने अब तक ऐसी कोई मांग नहीं उठाई है।इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि दोनों देशों के बीच तनाव और संघर्ष का सबसे ज्यादा असर भारत समेत उन देशों को झेलना पड़ रहा है, जिनका सीधे तौर पर इससे कोई संबंध नहीं है। हालांकि पश्चिम एशिया में फिर से शांति कायम करने की जिम्मेदारी दोनों देशों की है, लेकिन युद्ध की शुरुआत चूंकि अमेरिका और इजराइल ने मिलकर की थी, इसलिए समाधान के रास्ते तलाशने का दायित्व भी उन पर ज्यादा है।

अंतरराष्ट्रीय यूथ डे 2026

युवा शक्ति को मिले दिशा, सपनों को मिले उड़ान

(ललित गर्ग)

दुनिया की सरकारों को यह समझना होगा कि युवा केवल चुनाव के समय याद आने वाला मतदाता नहीं है। वह राष्ट्र की नीति-निर्माण प्रक्रिया का सक्रिय भागीदार है। जिस युवा के जीवन को प्रभावित करने वाले निर्णय लिये जाते हैं, उसकी आवाज उन निर्णयों में कितनी शामिल है, यह लोकतंत्र की गुणवत्ता का भी महत्वपूर्ण पैमाना है।

युवा केवल उम्र की एक अवस्था नहीं, बल्कि ऊर्जा, साहस, कल्पना, परिवर्तन और नवसृजन की चेतना का नाम है। जिस समाज की युवा शक्ति जाग्रत, संवेदनशील और रचनात्मक होती है, वह समाज परिवर्तन की नई इबारत लिखता है। इसके विपरीत जब युवा ऊर्जा दिशाहीन हो जाती है तो वही शक्ति हिंसा, नशे, उग्रवाद, अपराध, निराशा और विध्वंस का कारण बन सकती है। इसलिए आज दुनिया के सामने सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं है कि युवा क्या कर रहे हैं, बल्कि यह है कि उनकी विराट ऊर्जा को किस दिशा में लगाया जा रहा है। इसी चिंतन को वैश्विक स्तर पर महत्व देने के लिए संयुक्त राष्ट्र प्रतिवर्ष 12 अगस्त को अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस मनाता है। वर्ष 2000 से इस दिवस का आयोजन शुरू हुआ। इस वर्ष का विषय है-'विभिन्न परिस्थितियाँ, साझा आकांक्षाएँ।' यह विषय आज की युवा पीढ़ी की वास्तविकता को बहुत गहराई से अभिव्यक्त करता है। दुनिया के युवाओं की परिस्थितियाँ भिन्न हैं। कहीं गरीबी और बेरोजगारी है, कहीं युद्ध और असुरक्षा, कहीं शिक्षा के अवसरों की कमी है, कहीं तकनीकी असमानता और पर्यावरण संकट है, लेकिन इन सबके बीच उनकी आकांक्षाएँ आश्चर्यजनक रूप से समान हैं। वे सम्मानजनक जीवन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सार्थक रोजगार, सुरक्षा, मानसिक सुख-शांति, निर्णय प्रक्रिया में भागीदारी और बेहतर भविष्य चाहते हैं।

दुनिया की सरकारों को यह समझना होगा कि युवा केवल चुनाव के समय याद आने वाला मतदाता नहीं है। वह राष्ट्र की नीति-निर्माण प्रक्रिया का सक्रिय भागीदार है। जिस युवा के जीवन को प्रभावित करने वाले निर्णय लिये जाते हैं, उसकी आवाज उन निर्णयों में कितनी शामिल है, यह लोकतंत्र की गुणवत्ता का भी महत्वपूर्ण पैमाना है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का प्रस्ताव 2250 युवाओं को शांति निर्माण और हिंसा की रोकथाम में महत्वपूर्ण भागीदार के रूप में स्वीकार करता है। यह स्वीकारोक्ति इस बात का प्रमाण है कि युवा समस्या नहीं, बल्कि समाधान की शक्ति हैं। आज आवश्यकता है कि हर देश में ऐसी प्रभावी व्यवस्था बने, जिसमें विद्यार्थी, उद्यमी, किसान, वैज्ञानिक, कलाकार, खिलाड़ी और सामाजिक कार्यकर्ता युवा सीधे नीति-निर्माताओं से संवाद कर सकें। केवल युवाओं पर योजनाएँ बनाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि युवाओं के साथ योजनाएँ बनाना आवश्यक है। भारत की सबसे बड़ी शक्तियों में उसकी युवा आबादी भी है। भारत के युवाओं ने अनेक बार सिद्ध किया है कि उनमें केवल नौकरी पाने की आकांक्षा नहीं, बल्कि कुछ नया करने की बेचैनी भी है। विज्ञान, खेल, तकनीक, उद्यमिता, कला, साहित्य और सामाजिक सेवा से लेकर अनेक क्षेत्रों में भारतीय युवा अपनी प्रतिभा का परिचय दे रहे हैं। स्वामी विवेकानन्द ने भारत के पुनर्निर्माण में युवा शक्ति की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण माना था। उनका विश्वास था कि जाग्रत, चरित्रवान और संकल्पवान युवा राष्ट्र की दिशा बदल सकता है। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने भी युवाओं के सपनों को भारत के भविष्य से जोड़ा। उनके चिंतन का मूल संदेश था कि बड़े सपने देखो, ज्ञान अर्जित करो और उन सपनों को कर्म में बदलो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भी भारत के विकास विमर्श में युवा शक्ति, नवाचार, कौशल, उद्यमिता और आत्मनिर्भरता को विशेष महत्व दिया जा रहा है। लेकिन अब अगला चरण इससे आगे जाने का है। युवा को योजनाओं का लाभार्थी नहीं, बल्कि विकास का सह-निर्माता बनाना होगा।

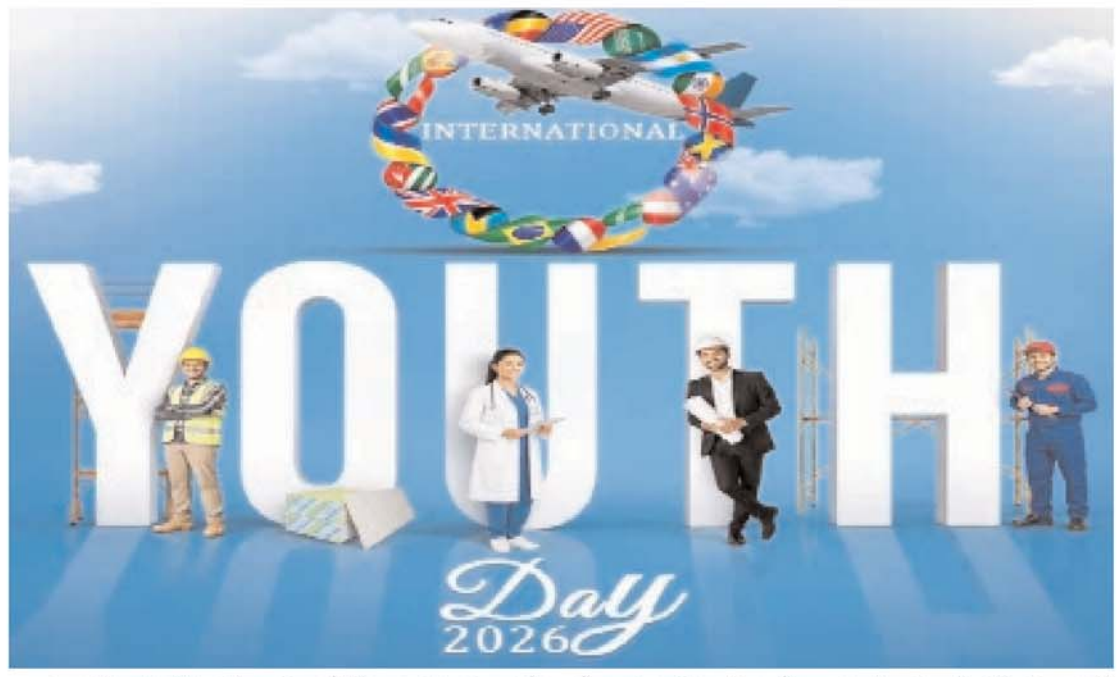

युवा दिवस की सार्थकता तब होगी जब 12 अगस्त के बाद भी युवा के जीवन में कोई सकारात्मक परिवर्तन दिखाई दे। क्यों न इस वर्ष प्रत्येक शहर में युवा स्वप्न संवाद आयोजित हों, जिसमें युवा लिखें कि वे अपने देश को अगले दस वर्षों में कैसा देखना चाहते हैं। उन सपनों को केवल कागज पर न रखा जाए, बल्कि सरकार, उद्योग, शिक्षण संस्थान और सामाजिक संस्थाएँ मिलकर उनमें से व्यवहारिक योजनाओं को धरातल पर उतारें। प्रत्येक युवा कोई एक उपयोगी कौशल सीखे और समाज के लिए कोई एक जिम्मेदारी स्वीकार करे। प्रत्येक जिले में ऐसे युवा नवाचार केंद्र स्थापित हों, जहाँ स्थानीय समस्याओं के समाधान के लिए युवा अपनी प्रतिभा और रचनात्मकता का उपयोग कर सकें। आज युवा शक्ति के सामने सबसे गंभीर चुनौतियों में नशा, डिजिटल लत, हिंसक प्रवृत्तियाँ, मानसिक तनाव, बेरोजगारी और उद्देश्यहीनता हैं। नशे का फैलता जाल केवल व्यक्ति को नहीं, परिवार और राष्ट्र की उत्पादक शक्ति को भी कमजोर करता है। युवाओं को केवल यह कहना पर्याप्त नहीं कि नशा मत करो, बल्कि उन्हें जीवन का ऐसा उद्देश्य देना होगा कि नशे की आवश्यकता ही महसूस न हो। खेल, योग, ध्यान, कला, साहित्य, सेवा, उद्यमिता और सामाजिक गतिविधियों से युवाओं को जोड़ना होगा। खाली समय को रचनात्मक समय में बदलना नशामुक्ति की सबसे प्रभावी सामाजिक रणनीति हो सकती है।

आज की युवा पीढ़ी और पुरानी पीढ़ी के बीच संवाद की कमी भी एक चुनौती है। बुजुर्ग अनुभव के प्रतीक हैं और युवा ऊर्जा के। अनुभव यदि ऊर्जा से नहीं जुड़ेगा तो वह जड़ हो सकता है और ऊर्जा यदि अनुभव से नहीं जुड़ेगी तो दिशाहीन हो सकती है। इसलिए आवश्यकता है अंतरपीढ़ी संवाद की। परिवारों, संस्थाओं और सरकारों को ऐसा वातावरण बनाना होगा जिसमें युवा नई सोच प्रस्तुत करें और वरिष्ठ पीढ़ी अपने अनुभव से उनका मार्गदर्शन करे। अनुभव और ऊर्जा का यह समन्वय राष्ट्र निर्माण की बड़ी शक्ति बन सकता है। आज दुनिया के अनेक हिस्सों में युवा आंदोलन हो रहे हैं। युवाओं की आवाज सत्ता और व्यवस्था तक पहुँच रही है। भारत में भी समय-समय पर युवाओं ने अपनी आकांक्षाओं और असंतोष को आंदोलन का रूप दिया है। लेकिन युवा आंदोलन की सबसे बड़ी सफलता तब होगी जब वह केवल विरोध की आवाज न रहकर विकल्प की आवाज बने। युवा कहे कि हमें केवल शिकायत नहीं करनी, समाधान भी देना है। हमें केवल रोजगार नहीं चाहिए, रोजगार सृजित करने की क्षमता भी चाहिए। हमें केवल अधिकार नहीं चाहिए, हम जिम्मेदारियाँ भी निभाएँगे। हम केवल सत्ता बदलने नहीं, व्यवस्था को बेहतर बनाने आए हैं। यही युवा आंदोलन की नई परिभाषा हो सकती है। यौवन अपने आप में उपलब्धि नहीं है। युवकत्व चेतना की अवस्था है। चेहरे पर जवानी हो और विचारों में जड़ता हो तो यौवन अधूरा है। ऊर्जा हो लेकिन दिशा न हो तो वही ऊर्जा संकट बन सकती है। इसलिए आज की युवा पीढ़ी को दो चीजों की सबसे अधिक आवश्यकता है-जोश और होश। जोश उसे ऊँचा उड़ाए और होश उसे सही दिशा दे। जोश उसे सपने दिखाए और विवेक उन सपनों को यथार्थ में बदले। जोश उसे संघर्ष करना सिखाए और करुणा उसे मनुष्य से जोड़े। स्वामी विवेकानन्द की प्रेरणा, सुकरात की प्रश्नाकुलता, महात्मा गांधी की करुणा और डॉ. कलाम के सपनों का समन्वय आज के युवा के व्यक्तित्व में होना चाहिए। दुनिया के युवाओं से यह कहना आसान है कि बड़े सपने देखो, लेकिन केवल सपने देखने के लिए कहना पर्याप्त नहीं है। सपनों को आकार देने के लिए अवसरों की संरचना भी करनी होगी। अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस 2026 का विषय हमें एक महत्वपूर्ण सत्य बताता है कि हमारी परिस्थितियाँ अलग हो सकती हैं, लेकिन हमारी आकांक्षाएँ साझा हैं। भारत का युवा अवसर चाहता है, अफ्रीका का युवा शिक्षा और रोजगार चाहता है, युद्धग्रस्त क्षेत्र का युवा शांति चाहता है, द्वीपीय देशों का युवा सुरक्षित पर्यावरण चाहता है और तकनीकी दुनिया का युवा समान अवसर चाहता है। अर्थात दुनिया के युवा अलग-अलग भाषाएँ बोलते हैं, अलग संस्कृतियों में रहते हैं, लेकिन उनके सपनों की भाषा बहुत कुछ समान है। इसलिए आज दुनिया को युवा शक्ति को नियंत्रित करने से अधिक उस पर विश्वास करने की जरूरत है। आइए इस अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस पर हम केवल युवाओं को बधाई न दें, बल्कि उन्हें अवसर दें-अपनी बात कहने का, अपनी प्रतिभा दिखाने का, निर्णय लेने का और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का। सरकारें युवाओं की सुनें, परिवार उनके सपनों को समझें, शिक्षण संस्थान उनकी प्रतिभा को पहचानें, समाज उनके प्रयोगों को अवसर दे और युवा स्वयं अपने भीतर के सामर्थ्य को पहचानें। क्योंकि राष्ट्र का भविष्य केवल संसदों, सरकारी कार्यालयों या योजनाओं की फाइलों में नहीं लिखा जाता, वह युवाओं की आँखों में पल रहे सपनों में लिखा जाता है। (लेखक, पत्रकार, स्तंभकार) (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

नेपाल ने खो दिये सुगौली के ओरिजनल डाक्युमेंट! अब भारत के साथ कैसे सुलझायेगा सीमा विवाद?

(नीरज कुमार दुबे)

यह खुलासा ऐसे समय हुआ है जब भारत और नेपाल के बीच लिपुलेख, लिम्पियाधुरा और कालापानी को लेकर विवाद फिर सुर्खियों में है। दरअसल, भारत और चीन के बीच लिपुलेख व्यापार मार्ग को फिर खोलने पर सहमति के बाद नेपाल ने इन क्षेत्रों पर अपना दावा दोहराया है। लो कर लो बात! सीमा विवाद को लेकर भारत पर लगातार सवाल उठाने वाला नेपाल खुद उस ऐतिहासिक दस्तावेज की मूल प्रति नहीं ढूंढ़ पा रहा है, जिसके आधार पर उसकी सीमाओं की बुनियाद तैयार हुई थी। नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने संसद में स्वीकार किया है कि सरकार को यह तक स्पष्ट जानकारी नहीं है कि 1816 की सुगौली संधि की आधिकारिक मूल प्रति उसके पास मौजूद है या नहीं। राष्ट्रीय अभिलेखागार में कुछ संबंधित दस्तावेज होने की जानकारी जरूर है, लेकिन वे वास्तविक आधिकारिक संधियां हैं या उनकी प्रतियां, इसकी पुष्टि नहीं हो सकी है। यह खुलासा ऐसे समय हुआ है जब भारत और नेपाल के बीच लिपुलेख, लिम्पियाधुरा और कालापानी को लेकर विवाद फिर सुर्खियों में है। दरअसल, भारत और चीन के बीच लिपुलेख व्यापार मार्ग को फिर खोलने पर सहमति के बाद नेपाल ने इन क्षेत्रों पर अपना दावा दोहराया है। लेकिन अब सवाल यह है कि जिस ऐतिहासिक संधि को सीमा निर्धारण की बुनियादी कड़ी माना जाता है, उसकी मूल प्रति ही नेपाल के रिकॉर्ड में स्पष्ट रूप से उपलब्ध नहीं है, तो उसके सीमा संबंधी दावों की ऐतिहासिक और दस्तावेजी मजबूती को किस आधार पर परखा जाए?

क्या है सुगौली संधि? - सुगौली संधि नेपाल और ईस्ट इंडिया कंपनी के बीच हुई वह ऐतिहासिक संधि थी, जिसने 1814-16 के एंग्लो-नेपाल युद्ध का अंत किया और नेपाल की क्षेत्रीय सीमाओं तथा ब्रिटिश भारत के साथ उसके संबंधों को बड़े पैमाने पर निर्धारित किया। यह संधि 2 दिसंबर 1815 को हुई और 4 मार्च 1816 को इसकी औपचारिक पुष्टि हुई। युद्ध में पराजय के बाद नेपाल को बड़े भूभाग से अपने दावे छोड़ने पड़े और उसकी पश्चिमी सीमा के निर्धारण में महाकाली नदी की महत्वपूर्ण भूमिका बनी। इसी संधि को आगे चलकर नेपाल और ब्रिटिश भारत के बीच सीमा-व्यवस्था की आधारभूत कड़ी माना गया। यही कारण है कि सुगौली संधि की मूल प्रति का गायब होना महज किसी पुराने कागज का गुम होना नहीं है। यह एक ऐसा दस्तावेज है, जिसका सीधा संबंध सीमा, संप्रभुता और ऐतिहासिक भूगोल से जुड़ा है। खासकर तब, जब नेपाल आज उसी ऐतिहासिक सीमा-व्यवस्था के आधार पर लिपुलेख, लिम्पियाधुरा और कालापानी पर अपना दावा करता है।

मामला सिर्फ सुगौली संधि तक सीमित नहीं - सबसे गंभीर पहलू यह है कि नेपाल में ऐतिहासिक संधियों के मूल दस्तावेजों की उपलब्धता को लेकर सवाल पहली बार नहीं उठे हैं। 2016 में भारत-नेपाल संबंधों की समीक्षा के लिए गठित प्रबुद्ध व्यक्तियों के समूह की चर्चाओं के दौरान 1950 की भारत-नेपाल शांति एवं मैत्री संधि की मूल प्रति खोजने की कोशिश की गई, लेकिन वह भी नहीं मिली। बाद में संसदीय जांच में सुगौली संधि और 1950 की संधि, दोनों की मूल प्रतियां नेपाल में नहीं मिलने की बात सामने आई। 2019 में तत्कालीन विदेश मंत्री प्रदीप ज्ञवाली ने भी कहा था कि मंत्रालय के पास दोनों संधियों की प्रतियां हैं, लेकिन यह सुनिश्चित करने के लिए फोरेंसिक जांच जरूरी है कि वे मूल दस्तावेज हैं या नहीं। नेपाल ने भारत और ब्रिटेन में उपलब्ध ऐतिहासिक दस्तावेजों और नक्शों को भी तलाशने की बात कही थी। यानी सवाल केवल यह नहीं कि दस्तावेज कहां हैं, बल्कि यह भी है कि नेपाल के पास मौजूद प्रतियां कितनी प्रामाणिक हैं।

सीमा दावे की कमजोर कड़ी - वैसे इससे यह निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी कि नेपाल का हर सीमा दावा स्वतः गलत हो जाता है। सीमा विवादों का निर्धारण केवल किसी एक मूल दस्तावेज से नहीं होता; ऐतिहासिक नक्शे, नदी की वास्तविक धारा, प्रशासनिक नियंत्रण, पुराने सरकारी रिकॉर्ड और अन्य अंतरराष्ट्रीय दस्तावेज भी महत्वपूर्ण होते हैं। लेकिन नेपाल के लिए समस्या यह है कि जिस ऐतिहासिक संधि को वह अपनी सीमा-व्यवस्था के संदर्भ में महत्वपूर्ण मानता है, उसकी मूल प्रति के अस्तित्व पर ही उसकी सरकार स्पष्ट नहीं है। यही तथ्य उसके आक्रामक सीमा-रुख पर गंभीर सवाल खड़े करता है। यदि नेपाल के पास मूल संधि उपलब्ध नहीं है और उसे अपनी प्रतियों की प्रामाणिकता तक फोरेंसिक तरीके से जांचनी पड़ रही है, तो सीमा विवाद पर निर्णायक और एकतरफा ऐतिहासिक दावे करना निश्चित रूप से कठिन हो जाता है। इस पूरे घटनाक्रम का सामरिक महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि लिपुलेख क्षेत्र भारत, नेपाल और चीन, तीनों के लिए संवेदनशील भौगोलिक क्षेत्र है।

असामाजिक हो रहे सोशल मीडिया का नियमन जरूरी

(उमेश चतुर्वेदी)

सोशल मीडिया मंचों ने अपना अलगोरिदम भी ऐसा विकसित किया है, जो अच्छी बातों, सामाजिक चिंतन और बेहतर कल की बातों को ज्यादा तवज्जो नहीं देखा। एक तरह से कहें तो वह इसकी अनदेखी ही करता है। लेकिन जैसे ही किसी को कोई गाली देता है, किसी के चरित्र का बेवजह ही हनन करता है, किसी का घटिया कार्टून बनाता है, सोशल मीडिया का अलगोरिदम उसे फैलाने में दरुत गति से जुट जाता है। सोशल मीडिया ने अब तक पर्दे के पीछे रही नंगई को भी उजागर कर दिया है। आज रील्स के चक्कर में अधनंगे और कई बार करीब-करीब नग्न फोटोग्राफ और वीडियो तक जारी किए जा रहे हैं।

सोशल मीडिया को लोकतंत्र के बड़े मंच के रूप में 17 दिसंबर 2010 को ट्यूनिशिया के सिटी बौजिज शहर में फलों का ठेला लगाने वाले मोहम्मद बोआजीजी की आत्महत्या के बाद हुए उबाल के बाद देखा जाने लगा। म्यूनिसिपल कर्मचारियों की सख्ती के चलते क्षुब्ध बोआजीजी ने खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगा ली।

दिल्ली में बीस जुलाई को काकरोच जनता पार्टी के संसद मार्च के दौरान हुई हिंसा और 23 जुलाई को प्रधानमंत्री मोदी के जेन जी के संबोधन की वीडियो फेसबुक और इंस्टाग्राम से हटाए जाने के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म बहुत चर्चा में हैं। चर्चा से ज्यादा उनकी भूमिका कहीं ज्यादा विमर्श के केंद्र में है। इसमें दो राय नहीं कि दुनियाभर में जो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ज्यादा प्रचलन में हैं, उनमें से ज्यादातर विदेशी हैं। जाहिर है कि वे उन जगहों के कानूनों और सांस्कृतिक परंपराओं से ज्यादा संचालित हैं, जहां उनके मुख्यालय हैं। इसलिए अपने व्यापक हितों के लिए वे अपने प्रचलन वाले देशों की परंपराओं और संस्कृतियों को सवालों के घेरे में लाने, उसका उपहास उड़ाने और उन्हें तार-तार करने वाला अलगोरिदम उन्होंने विकसित कर रखा है। जिसका खामियाजा तीसरी दुनिया के देश और वहां की सांस्कृतिक परंपराएं उठा रही हैं।

सोशल मीडिया को लोकतंत्र के बड़े मंच के रूप में 17 दिसंबर 2010 को ट्यूनिशिया के सिटी बौजिज शहर में फलों का ठेला लगाने वाले मोहम्मद बोआजीजी की आत्महत्या के बाद हुए उबाल के बाद देखा जाने लगा। म्यूनिसिपल कर्मचारियों की सख्ती के चलते क्षुब्ध बोआजीजी ने खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगा ली। किसी ने इस घटना को सोशल मीडिया पर डाल दिया। सोशल मीडिया के तत्कालीन अलगोरिदम ने इस घटना को इस रूप में प्रस्तुत किया कि समूचे अरब जगत में उबाल आ गया। नागरिक अधिकारों की स्थापना और लोकतंत्र की बहाली की मांग को लेकर अरब देशों की जनता सड़कों पर उतर आई। इसका ही नतीजा मिस्र की राजधानी काहिरा के तहरीर चौक पर दिखा। जहां महीनों तक लोग जमे रहे और वहां के राष्ट्रपति को इस्तीफा देना पड़ा। यह आग सीरिया, यमन और लीबिया तक जा पहुंची। वहां के पारंपरिक शासकों के खिलाफ लोगों का दबा हुआ गुस्सा निकला और कई जगह सत्ताएं बदल गईं। भारत में भी इसके ही कुछ महीनों बाद अन्ना हजारे को आगे रखकर एक आंदोलन छेड़ा गया। जिसकी परिणति आम आदमी पार्टी के रूप में हुई और वह दिल्ली की सत्ता पर काबिज हुई। फिर पंजाब में भी उसने पैठ बना ली। दक्षिण-एशियाईऔर प्रवासी

इन घटनाओं को याद करना इसलिए जरूरी है कि इन सबके पीछे सोशल मीडिया के जरिए त्वरित गति से फैलाई गई सूचनाओं का हाथ सबसे ज्यादा रहा। तब सोशल मीडिया को लोकतंत्र के लिए जरूरी बताया गया। सोशल मीडिया के बारे में कहा गया कि लोकतंत्र में सबकी आवाज पहुंचाने और उन्हें मौका देने का यह बड़ा माध्यम है। इसे लोकतंत्र के वाजिब और जरूरी औजार के रूप में भी मान्यता मिली। लेकिन बीतते वक्त के साथ पता चल रहा है कि जिसे हम सोशल मीडिया कहते हैं, वह लोकतंत्र के लिए जितना जरूरी है, उससे कहीं ज्यादा अनसोशल यानी असामाजिक भी है। यह ठीक है कि सोशल मीडिया के जरिए व्यवस्था की अंधी सुरंग में खो रही आवाजों को मौका मिलता है। लेकिन यह उतना ही सच है कि इस माध्यम ने लोगों की नजर का पानी उतार दिया है। लोग अब लिहाज करना भूल गए हैं। सोशल मीडिया पर अगर किसी की बात पसंद नहीं आती तो उसे खुलेआम गालियां दी जा सकती हैं। उसके चरित्र पर आक्षेप लगाया जा सकता है। उसका चरित्र हनन किया जा सकता है। चाहे वह व्यक्ति सामाजिक जीवन में कितना ही प्रतिष्ठित क्यों न हो, उसकी उम्र चाहे जितनी भी बड़ी क्यों ना हो।

सोशल मीडिया मंचों ने अपना अलगोरिदम भी ऐसा विकसित किया है, जो अच्छी बातों, सामाजिक चिंतन और बेहतर कल की बातों को ज्यादा तवज्जो नहीं देखा। एक तरह से कहें तो वह इसकी अनदेखी ही करता है। लेकिन जैसे ही किसी को कोई गाली देता है, किसी के चरित्र का बेवजह ही हनन करता है, किसी का घटिया कार्टून बनाता है, सोशल मीडिया का अलगोरिदम उसे फैलाने में दुरुत गति से जुट जाता है। सोशल मीडिया ने अब तक पर्दे के पीछे रही नंगई को भी उजागर कर दिया है। आज रील्स के चक्कर में अधनंगे और कई बार करीब-करीब नग्न फोटोग्राफ और वीडियो तक जारी किए जा रहे हैं। भले ही अपने परिवारों में महिलाएँ और युवतियां सलीके से रहती हों, लेकिन सोशल मीडिया पर प्रसिद्धि पाने और उसके जरिए कुछ कमाने के चक्कर में अपने शील और अपनी लज्जा को भी बेपर्दा कर रही हैं। सोशल मीडिया कितना असमाजिक हो चुका है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उसका अलगोरिदम अश्लीलता को बढ़ावा देता है, लेकिन शील और लज्जा की बात को अपने मंच के किसी कोने में डाल देता है। कह सकते हैं कि वर्चुअल स्पेस के किसी अंधेरे कोने में उसे गुम कर देता है।

तीन साल पहले प्यू रिसर्च सेंटर ने 19 विकसित अर्थव्यवस्थाओं वाले देशों में सोशल मीडिया को लेकर एक शोध किया था। उसके मुताबिक, आम नागरिकों की नजर में सोशल मीडिया राजनीतिक जीवन के लिए रचनात्मक और विनाशकारी दोनों है। इस अध्ययन में शामिल देशों में, औसतन 57 प्रतिशत लोगों ने माना कि सोशल मीडिया लोकतंत्र के लिए अच्छा है, लेकिन इसे बिनाशकारी मानने वालों की संख्या भी कम नहीं रही। करीब 35 प्रतिशत से ज्यादा लोगों का का कहना था कि सोशल मीडिया विनाशकारी साबित हो रहा है। सिर्फ 34 प्रतिशत अमेरिकियों ने ही सोशल मीडिया को लोकतंत्र के लिए लाभकारी माना, जबकि 64 फीसद का कहना था कि इसने नकारात्मक प्रभाव ज्यादा डाला है। हाल ही में जेन जी से चर्चा के दौरान संघ प्रमुख मोहन भागवत ने भी सोशल मीडिया को लेकर अपने विचार व्यक्त किए। उसमें उन्होंने कहा है कि यदि सोशल मीडिया पर उनके कारण दस लाख लोग कोई गलत निर्णय लेते हैं, तो उसकी जिम्मेदारी मेरी भी है। सोशल मीडिया पर सकारात्मक, उपयोगी और समाजहित की सामग्री साझा करनी चाहिए। सोशल मीडिया पर केवल प्रामाणिक स्रोतों से प्राप्त जानकारी पर ही विश्वास करना चाहिए। जेन-ज़ी में भी यह विवेक विकसित होना चाहिए कि क्या सही है और क्या नहीं। वरिष्ठ पीढ़ी की भी जिम्मेदारी है कि वह नई पीढ़ी का मार्गदर्शन करे तथा उन्हें सही और गलत के बीच अंतर समझाए।

सोशल मीडिया का अनसोशल चेहरा और मंच आर्थिक कमाई का जरिया भी है। नंगई, हिंसा और व्यभिचार-अतिचार की कहानियां, दृश्य, वीडियो और फोटो को वायरल करने में उसका कोई सानी नहीं है। इस बहाने इसे प्रसारित करने वाले को सोशल मीडिया मंच आर्थिक कमाई भी कराते हैं। और तो और, वे खुद भी ऐसी घटनाओं, दृश्यों को प्रसारित-प्रचारित और वायरल करने के लिए बड़ी रकम लेते हैं। संसदीय समिति के सामने फेसबुक और इंस्टाग्राम की संचालक कंपनी मेटा के अधिकारियों ने माना है कि काकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के दौरान गाली, हिंसा आदि को बढ़ावा देने के लिए पैसे भी लिए थे। इन कोशिशों का मकसद भारत में व्यापक पैमाने पर लोगों को उत्तेजित करके अराजकता फैलाना था। इस लिहाज से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म राष्ट्रों के अंदरूनी मामलों में लोकतंत्र की रक्षा के मुखौटे के पीछे से दखल भी दे रहे हैं और राष्ट्रीय सुरक्षा को चुनौती भी दे रहे हैं। वक्त आ गया है कि इनके नियमन के लिए कठोर कानून बनाए जाएं। जिसके तहत उन्हें अभिव्यक्ति के अधिकार को बढ़ावा देने की व्यवस्था तो हो, लेकिन इसकी आड़ में अराजकता फैलाने की छूट नहीं। (लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

साल्हेओना में किसानों ने निकाली भव्य तिरंगा ट्रैक्टर रैली, 31 ट्रैक्टरों के साथ गूंजा देशभक्ति का संदेश..

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर साल्हेओना क्षेत्र में किसानों ने अनोखे अंदाज में देशभक्ति का परिचय दिया। आंचलिक किसान संघ साल्हेओना के नेतृत्व में साल्हेओना और बरगांव सोसायटी से जुड़े किसानों ने 31 ट्रैक्टरों के साथ भव्य तिरंगा ट्रैक्टर रैली निकाली। ट्रैक्टरों पर तिरंगा लगाकर निकले किसानों ने पूरे क्षेत्र में आजादी और राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया। तिरंगा ट्रैक्टर रैली की शुरुआत साल्हेओना सोसायटी से हुई। इसके बाद रैली धोबनीपाली, बरगांव और मानिकपुर होते हुए राधामाधव मंदिर विश्वासपुर पहुंची। इस दौरान बड़ी संख्या में किसान ट्रैक्टरों के साथ रैली में शामिल हुए। हाथों में तिरंगा और ट्रैक्टरों पर लहराते राष्ट्रीय ध्वज ने पूरे मार्ग को देशभक्ति के रंग में रंग दिया।

किसानों में दिखा खासा उत्साह- स्वतंत्रता दिवस के मौके पर आयोजित इस रैली को लेकर किसानों में खासा उत्साह देखने को मिला। ग्रामीण क्षेत्र में किसानों द्वारा इस तरह की तिरंगा यात्रा निकालना लोगों के लिए भी आकर्षण का केंद्र रहा। जगह-जगह लोगों ने रैली को देखा और किसानों के इस प्रयास की सराहना की। किसानों ने कहा कि तिरंगा देश की एकता, अखंडता और स्वतंत्रता का प्रतीक है। देश की आजादी के लिए बलिदान देने वाले स्वतंत्रता सेनानियों को याद करते हुए किसानों ने राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारी और सम्मान का संदेश दिया।

किसान संगठन के बैनर तले जुटे किसान- आंचलिक किसान संघ साल्हेओना के बैनर तले आयोजित इस कार्यक्रम में साल्हेओना और बरगांव सोसायटी क्षेत्र के किसान बड़ी संख्या में शामिल हुए। किसानों ने एकजुट होकर स्वतंत्रता दिवस मनाया और आपसी एकता का भी संदेश दिया। रैली में युवराज चौधरी, उग्रसेन साहू, अगनू पटेल, भुवन विजय मालाकार, गुलशन, करुणा सागर, सुभाष पटेल, मोहन पटेल, अजय पटेल, रोशन पटेल, रामकुमार पटेल, पदुम, नवसागर, सतपीर पटेल, संदीप पटेल, जगतराम पटेल, रविचंद पटेल, रघुनाथ पटेल, यश पटेल, मदन पटेल, शिव पटेल, संजय पटेल, महेंद्र पटेल, टीकाराम चौधरी, लोचन पटेल, गांधी गौटिया, हितेश मालाकार, अनिल मालाकार सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे। रैली के सफल आयोजन के बाद किसानों में उत्साह देखने को मिला। ट्रैक्टरों पर लहराते तिरंगे के साथ निकली यह यात्रा स्वतंत्रता दिवस पर ग्रामीण अंचल में देशभक्ति और किसान एकता का खास संदेश दे गई।

80 साल बाद तुमीरगुंडा–केरपे में पहली बार फहराया तिरंगा

कभी नक्सल दहशत के कारण राष्ट्रीय ध्वज फहराना था मुश्किल, महेश गागड़ा ने किया ध्वजारोहण

बीजापुर/मूक पत्रिका

आशीष पदमवार। स्वतंत्रता दिवस पर जिले के ग्राम पंचायत बेदरे के अंतर्गत आने वाले अंदरूनी गांव तुमीरगुंडा और केरपे में पहली बार राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। ग्राम पंचायत बेदरे के इन गांवों में आजादी के 80 साल बाद पूर्व मंत्री एवं भाजपा नेता महेश गागड़ा ने तिरंगा फहराया। ध्वजारोहण के बाद राष्ट्रगान हुआ और भारत माता के जयघोष से गांव गूंज उठा।कभी नक्सली दहशत के चलते इन क्षेत्रों में तिरंगा फहराना भी मुश्किल माना जाता था। ऐसे में पहली बार सार्वजनिक रूप से राष्ट्रीय ध्वज फहराए जाने से ग्रामीणों में उत्साह और गर्व का माहौल रहा। बच्चों और युवाओं ने भी कार्यक्रम में भाग लिया।

भय की जगह विश्वास का माहौल

महेश गागड़ा ने कहा कि तिरंगा देश की एकता, अखंडता, स्वतंत्रता, स्वाभिमान और गौरव का प्रतीक है। जिन गांवों में कभी तिरंगा फहराना संभव नहीं था, वहां आज सम्मान के साथ राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाना सकारात्मक बदलाव का संकेत है।उन्होंने कहा कि इन क्षेत्रों में भय की जगह विश्वास और अलगाव की जगह राष्ट्र की मुख्यधारा से जुड़ने की भावना दिखाई दे रही है। यह लोकतंत्र की मजबूत होती पहुंच का संदेश है।

ग्रामीणों में दिखा उत्साह

पहली बार ध्वजारोहण को लेकर ग्रामीणों में खासा उत्साह रहा। लोगों ने राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी और देश की एकता एवं अखंडता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई। बच्चों और युवाओं में भी तिरंगे को लेकर विशेष उत्साह नजर आया।

बदनारा स्कूल में धूमधाम से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस, 22 विद्यार्थियों को मिली साइकिल

बदनारा/नवागढ़ /मूक पत्रिका

बेमेतरा जिले के नवागढ़ विकासखंड अंतर्गत शासकीय उच्च माध्यमिक शाला बदनारा में 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस समारोह हर्षोल्लास और देशभक्ति के माहौल में धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षकों, जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर शासन की निःशुल्क सरस्वती साइकिल योजना के तहत कक्षा 9वीं के 22 छात्र-छात्राओं को साइकिल का वितरण किया गया। साइकिल मिलने पर विद्यार्थियों में उत्साह देखने को मिला। योजना का उद्देश्य विद्यार्थियों को विद्यालय आने-जाने में सुविधा उपलब्ध कराना तथा शिक्षा के प्रति उनकी रुचि को बढ़ावा देना है।समारोह में ग्राम पंचायत बदनारा की सरपंच नारायण भुखनी जांगड़े, उपसरपंच रामबिलास साहू, सेवा सहकारी समिति अध्यक्ष स्वतंत्रत साहू, पौसरी सरपंच मनोज मांडले, समस्त पंचगण सहित विद्यालय के शिक्षक आई.आर. कुर्रे, प्राचार्य रईस अहमद रिजवी, शिक्षक अमित तिवारी, कुशल भारती एवं अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे। इस अवसर पर विद्यालय के बालक-बालिकाओं सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन भी मौजूद रहे। पूरे कार्यक्रम में देशभक्ति और उत्साह का वातावरण बना रहा।

अवैध उत्खनन और फ्लाई ऐश डंपिंग पर जिपं अध्यक्ष ने दिए कड़े एक्शन के निर्देश...

जिपं अध्यक्ष संजय भूषण पाण्डेय की अध्यक्षता में समान्य सभा बैठक संपन्न...

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

जिला पंचायत सारंगढ़-बिलाईगढ़ के सभागार में आज जिला पंचायत अध्यक्ष संजय भूषण पाण्डेय की अध्यक्षता में सामान्य सभा की अति-महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। 13 अगस्त 2026 को आयोजित इस बैठक में अध्यक्ष संजय भूषण पाण्डेय की मौजूदगी में वित्तीय वर्ष 2026ङ्क27 के लिए 16वें वित्त आयोग के तहत स्वीकृत जिला पंचायत विकास कार्ययोजना, विकास निधि और जिला खनिज संस्थान न्यास (छ्रस्न्न) के अंतर्गत जारी विकास कार्यों की गहन समीक्षा कर सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया। बैठक के दौरान जिले में स्वीकृत वैध-अवैध खदानों, रायल्टी राजस्व, गौण खनिज और रेत खदानों की अद्यतन स्थिति पर भी विस्तार से चर्चा हुई।

खनिज और पर्यावरण विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष संजय भूषण पाण्डेय ने सख्त लहजे में अधिकारियों को पूरी निष्पक्षता और पारदर्शिता से काम करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि जिले में अवैध उत्खनन, अवैध परिवहन और मनमाने तरीके से फ्लाई ऐश डंपिंग करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा न जाए और उनके खिलाफ तत्काल अनुशासनात्मक व वैधानिक कार्रवाई की जाए। बैठक में खनिज, रायल्टी और छ्रस्न्न जैसे मुख्य विषयों पर चर्चा होनी थी, लेकिन इसके बावजूद खनिज विभाग के जिम्मेदार अधिकारी के बैठक में उपस्थित न होने पर जिला पंचायत अध्यक्ष संजय भूषण पाण्डेय ने गहरी नाराजगी जताई। अध्यक्ष ने सख्त हिदायत देते हुए कहा कि जिला पंचायत की बैठकों से अधिकारियों का अनुपस्थित रहना बेहद गैर-जिम्मेदाराना है और यह एक गलत परंपरा है।

अधिकारियों के गायब रहने से जनहित की योजनाओं और राजस्व की सही जानकारी सदन को नहीं मिल पाती। उन्होंने भविष्य में सभी अधिकारियों को बैठकों में पूरी तैयारी के साथ अनिवार्य रूप से मौजूद रहने के निर्देश दिए।

आज के बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष संजय भूषण पाण्डेय,जिला पंचायत उपाध्यक्ष अजय नायक,जिला पंचायत सीईओ ऋषिकेश तिवारी सभी जिला पंचायत सदस्य गण और विभिन्न विभागों के जिला स्तर के अधिकारगण उपस्थित रहे।

नदीगांव में मुक्तिधाम निर्माण का हुआ भूमिपूजन, 6.50 लाख रुपये से होगा विकास कार्य..

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

सरिया तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत नदीगांव पुरानी बस्ती में मुक्तिधाम निर्माण कार्य का भूमिपूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। गांव में लंबे समय से मुक्तिधाम की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। निर्माण कार्य के लिए जी राम जी (ङ्कक्क्त क्रूत) योजना के तहत 6.50 लाख रुपये की मंजूरी मिली है। भूमिपूजन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जल संसाधन विभाग के सेवानिवृत्त एसडीओ विमलेश विश्वाल उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सरपंच गौरीशंकर विश्वाल, उपसरपंच दृष्टिदेव प्रधान सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

गांव में जरूरी सुविधा का होगा विकास

मुक्तिधाम का निर्माण होने से नदीगांव पुरानी बस्ती के ग्रामीणों को अंतिम संस्कार के लिए बेहतर और व्यवस्थित स्थान उपलब्ध होगा। ग्रामीणों ने मुक्तिधाम निर्माण के लिए राशि स्वीकृत होने पर खुशी जताई और पंचायत स्तर पर किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने कहा कि गांव के विकास के लिए सड़क, नाली और अन्य सुविधाओं के साथ मुक्तिधाम जैसी मूलभूत व्यवस्था भी बेहद जरूरी है।

निर्माण पूरा होने के बाद ग्रामीणों को इसका सीधा लाभ मिलेगा। भूमिपूजन कार्यक्रम में शशिभूषण प्रधान, विकास विश्वाल, उसतराम प्रधान, देवानंद प्रधान, विदेशी माझी, फागुलाल माझी, सुनील प्रधान, कैलाशचंद विश्वाल, सच्चिदानंद गुप्ता, बलराम विश्वाल, संपत यादव, रोहित शर्मा, बबलू शर्मा सहित अन्य ग्रामीण उपस्थित रहे। 6.50 लाख रुपये की लागत से बनने वाला यह मुक्तिधाम गांव के लिए एक महत्वपूर्ण विकास कार्य माना जा रहा है। निर्माण कार्य जल्द शुरू होने की उम्मीद है, जिससे ग्रामीणों को लंबे समय से महसूस की जा रही इस सुविधा का लाभ मिल सकेगा।

सरिया से बरमकेला तक शान से लहराया तिरंगा, शहर से गांव तक देशभक्ति के रंग में रंगा अंचल..

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के बरमकेला और सरिया क्षेत्र में शहर से लेकर गांव तक देशभक्ति का माहौल देखने को मिला। सुबह से ही विभिन्न स्थानों पर तिरंगा फहराया गया और लोगों ने स्वतंत्रता दिवस का पर्व उत्साह और उमंग के साथ मनाया। नगर पंचायत सरिया में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष कमलेश अग्रवाल ने ध्वजारोहण किया।

ध्वजारोहण के बाद राष्ट्रगान हुआ और उपस्थित लोगों ने देश की आजादी के लिए अपना बलिदान देने वाले वीर शहीदों को नमन किया। इस दौरान नगर पंचायत के अधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधि और नागरिक मौजूद रहे। पूरे कार्यक्रम में देशभक्ति का माहौल बना रहा।

इसी तरह बरमकेला में सत्यभामा मनोहर नायक ने ध्वजारोहण कर स्वतंत्रता दिवस समारोह की शुरुआत की। यहां भी राष्ट्रगान के साथ देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता के प्रति सम्मान व्यक्त किया गया। स्वतंत्रता दिवस का उत्साह केवल नगरों तक सीमित नहीं रहा। सरिया और बरमकेला के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूल, कॉलेज, सरकारी और गैर सरकारी संस्थान, विभिन्न कार्यालय, ग्राम पंचायतें और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर भी तिरंगा शान से लहराया गया। कहीं विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीत और सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए तो कहीं प्रभात फेरी और अन्य कार्यक्रमों के माध्यम से आजादी का जश्न मनाया गया।

बच्चों, युवाओं, बुजुर्गों और महिलाओं में भी स्वतंत्रता दिवस को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। पूरे अंचल में सुबह से ही भारत माता की जय और वंदे मातरम् के जयघोष सुनाई दिए। तिरंगे के रंग में सजे नगर और गांवों ने स्वतंत्रता दिवस के उत्सव को और खास बना दिया।सरिया से बरमकेला और ग्रामीण अंचलों तक स्वतंत्रता दिवस ने लोगों को एकता, राष्ट्रप्रेम और देश के प्रति जिम्मेदारी का संदेश दिया।

शिक्षक संघर्ष मोर्चा ने शिक्षा मंत्री के नाम रखा मांग-पत्र, सांसद ने दिया उचित कार्रवाई का आश्वासन

टीईटी, पुरानी पेंशन व पदोन्नति की मांग को लेकर सांसद को सौंपा ज्ञापन

बीजापुर/मूक पत्रिका

आशीष पदमवार। स्वतंत्रता दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बीजापुर पहुंचे सांसद महेश कश्यप से शिक्षक संघर्ष मोर्चा के पदाधिकारियों ने सर्किट हाउस में मुलाकात की। जिला सह संचालक कैलाश रामटेके के नेतृत्व में मोर्चा ने देश के शिक्षा मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर टीईटी, पुरानी पेंशन और पदोन्नति से संबंधित मांगें रखीं। मोर्चा पदाधिकारियों ने बताया कि शिक्षा का अधिकार कानून वर्ष 2010 से लागू है। इसके तहत 2010 से पहले नियुक्त शिक्षकों को भी टीईटी परीक्षा उत्तीर्ण करने के निर्देश दिए जा रहे हैं। शिक्षकों का कहना है कि कानून लागू होने की तिथि से ही उसका प्रभाव होना चाहिए। कई वर्षों से सेवा दे रहे शिक्षकों पर पीछे की अवधि से इसे लागू करना उचित नहीं है। इससे देशभर के करीब 25 लाख शिक्षकों और उनके परिवारों के भविष्य को लेकर चिंता बनी हुई है।

संसद में संशोधन की मांग

ज्ञापन में शिक्षा का अधिकार कानून में आवश्यक संशोधन के लिए संसद में अध्यादेश लाने की मांग की गई। साथ ही प्रथम नियुक्ति तिथि से पुरानी पेंशन का लाभ देने और सभी प्रशिक्षित शिक्षकों को पदोन्नति देने की मांग भी रखी गई। मोर्चा पदाधिकारियों ने सांसद के समक्ष कहा कि लंबे समय से सेवा दे रहे शिक्षकों की सेवा अवधि और अनुभव को ध्यान में रखते हुए उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय लिया जाना चाहिए।

सांसद ने सुनीं समस्याएं

सांसद महेश कश्यप ने शिक्षकों की मांगों को ध्यानपूर्वक सुना और संबंधित विषयों पर चर्चा कर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि जिला राम राना भी उपस्थित रहे।

शिक्षक संघर्ष मोर्चा की प्रमुख मांगें

- 2010 से पहले नियुक्त शिक्षकों को टीईटी की अनिवार्यता से राहत।
- शिक्षा का अधिकार कानून में आवश्यक संशोधन।
- प्रथम नियुक्ति तिथि से पुरानी पेंशन लागू करना।
- सभी प्रशिक्षित शिक्षकों को पदोन्नति का अवसर देना।

ज्ञापन सौंपने के दौरान मोर्चा के पदाधिकारी कैलाश रामटेके, अलीम रिजवी, विजय चापड़ी, मोहशीन खान, ओनेश्वर झाड़ी, बुधरूराम कोरसा और लच्छिन्दर हेमला मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री के करकमलों से उत्कृष्ट सेवा के लिए सम्मानित हुए पुलिस एवं नगर सेना के अधिकारी-कर्मचारी

रायपुर/ संवाददाता

स्वतंत्रता दिवस के 80वें पावन अवसर पर आज राजधानी रायपुर स्थित पुलिस परेड ग्राउंड में आयोजित गरिमामय राज्य स्तरीय मुख्य समारोह में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के करकमलों से छत्तीसगढ़ पुलिस एवं नगर सेना के अधिकारियों तथा जवानों को उनकी कर्तव्यनिष्ठा, असाधारण कार्यकुशलता और विशिष्ट सेवाओं के लिए प्रतिष्ठित पदकों तथा राज्य स्तरीय पुरस्कारों से अलंकृत किया गया। समारोह में रक्षित केन्द्र धमतरी के सहायक उप निरीक्षक श्री रामावतार सिंह राजपूत को उनकी 36 वर्षों से अधिक की निष्ठावान सेवा और आधारभूत प्रशिक्षण में उत्कृष्ट योगदान हेतु देश के सर्वोच्च 'राष्ट्रपति के विशिष्ट सेवा पदक-2026' से सम्मानित किया गया। सराहनीय सेवाओं, अपराध नियंत्रण, कानून-व्यवस्था एवं आधुनिक नवाचारों के लिए भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारियों सहित कुल 10 पुलिसकर्मियों को 'सराहनीय सेवा हेतु भारतीय पुलिस पदक-2026' प्रदान किया गया। इस पदक से अलंकृत होने वालों में पुलिस महानिरीक्षक बिलासपुर रेंज श्री रामगोपाल (भा.पु.से.), वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रायगढ़ श्री शशिमोहन सिंह (भा.पु.से.), पुलिस अधीक्षक एटीएस नवा रायपुर श्रीमती राजश्री मिश्रा (भा.पु.से.), पुलिस अधीक्षक रायपुर ग्रामीण श्रीमती श्वेता श्रीवास्तव सिन्हा (भा.पु.से.), सेनानी 7वीं वाहिनी छ.स.बल भिलाई श्रीमती निवेदिता पॉल, सेनानी 20वीं वाहिनी छ.स.बल महासमुंद श्रीमती मनीषा ठाकुर रावटे, पुलिस उपायुक्त रायपुर श्री तारकेश्वर पटेल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विशेष आसूचना शाखा नवा रायपुर सुश्री उनैजा खातून अंसारी, सहायक सेनानी प्रथम वाहिनी छ.स.बल भिलाई श्री जयलाल मरकाम तथा प्लाटून कमाण्डर 20वीं वाहिनी छ.स.बल महासमुंद श्री हजारी लाल साहू शामिल हैं। आपदा प्रबंधन, राहत कार्यों और जनसेवा में अद्वितीय भूमिका निभाने के लिए नगर सेना राजनांदगांव के नायक श्री उत्तम कुमार साहू को शिवनाथ नदी में बाढ़ बचाव कार्य तथा नगर सेना रायपुर के लांस नायक श्री जोगेश्वर कुमार धीवर को उत्कृष्ट गोताखोरी व प्रशिक्षण कार्यों के लिए 'गृह रक्षक तथा नागरिक सुरक्षा सराहनीय सेवा पदक-2026' प्रदान किया गया। कमजोर वर्गों, अनुसूचित जाति-जनजाति तथा महिला एवं बाल सुरक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिस अधिकारियों को वर्ष 2025 के राज्य स्तरीय एवं पुलिस महानिदेशक पुरस्कारों से नवाजा गया। इसके तहत जांजगीर-चांपा के सहायक उप निरीक्षक श्री रामेश्वर प्रसाद यादव को 'गुरु घासीदास पुरस्कार' (50 हजार रुपये नकद व बिलासपुर रेंज को रनिंग शील्ड) प्रदान किया गया। कमजोर वर्गों एवं महिला-बाल संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए रायपुर की निरीक्षक श्रीमती अर्चना धुरंधर को 'राज्यपाल पुरस्कार' एवं 'रानी सुबरन कुंवर पुरस्कार' (प्रत्येक में 50 हजार रुपये नकद व रायपुर रेंज को रनिंग शील्ड) से अलंकृत किया गया। गरियाबंद की अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) सुश्री निशा सिन्हा को पीड़ितों को त्वरित न्याय दिलाने हेतु 'मुख्यमंत्री पुरस्कार' (50 हजार रुपये नकद व रायपुर रेंज को रनिंग शील्ड), अजाक थाना बिलासपुर के निरीक्षक श्री उत्तम साहू को उत्कृष्ट थाना संचालन हेतु 'शहीद वीरनारायण सिंह पुरस्कार' (50 हजार रुपये नकद व बिलासपुर रेंज को रनिंग शील्ड) तथा उप पुलिस अधीक्षक (अजाक) बिलासपुर श्री डी.आर. टंडन को 'पुलिस महानिदेशक पुरस्कार' (25 हजार रुपये नकद एवं प्रशंसा पत्र) से सम्मानित किया गया। समारोह में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्री विवेकानंद (भा.पु.से.) के संपूर्ण प्रभार तथा नगर पुलिस अधीक्षक दर्री (कोरबा) श्री विमल कुमार पाठक (भा.पु.से.) के नेतृत्व में भव्य परेड का आयोजन किया गया। परेड में केंद्रीय अर्धसैनिक बलों, छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल, जिला पुलिस बल, जेल पुलिस, नगर सेना, एन.सी.सी. तथा विशेष शाखाओं की टुकड़ियों ने अनुशासित एवं आकर्षक मार्च पास्ट प्रस्तुत किया।

नाम परिवर्तन

मै मुकेश साहू पिता दिलीप कुमार साहू उम्र 35 वर्ष निवासी जोंग तहसील व जिला बेमेतरा (छ.ग.) 491335 जो कि निम्नलिखित शपथपूर्वक कथन प्रस्तुत करता हूं कि

है। यह कि मेरा नाम व पत्ता उपरोक्तानुसार

यह कि मुझे मेरे का आधार कार्ड बना हुआ है जिसमें मेरा नाम राजु साहू (RAJU SAHU) पिता दिलीप कुमार साहू (DILIP KUMAR SAHU) दर्ज है। जिसका आधार कार्ड नं.- 827654139035 है। जो बालिक है। यह कि मेरे पेन कार्ड व मतदाता परिचय पत्र में मुकेश साहू (MUKESH SAHU) पिता दिलीप कुमार साहू (DILIP KUMAR SAHU) के नाम हो गया है जो की सही है तथा भविष्य पिता दिलीप कुमार साहू (DILIP KUMAR SAHU) के नाम जाना जाये जिसके लिए राजपत्र में प्रकाशन परिवर्तन कर पिता दिलीप कुमार साहू (DILIP KUMAR SAHU) के नाम से दर्ज करना है जो की सही है दर्ज किये जाने शपथ पत्र प्रस्तत करने की आश्यकता हुई है। अतः यह.. शपथ पत्र प्रस्तुत है।

मुकेश साहू
पिता दिलीप कुमार साहू
ग्राम जोंग तहसील
व जिला बेमेतरा

नाम परिवर्तन

मैं नंदनी साहू पिता सीताराम उम्र 29 वर्ष निवासी खिलोरा तहसील व जिला बेमेतरा (छ.ग.) 491335 जो कि निम्नलिखित शपथपूर्वक कथन प्रस्तुत करता हूं कि

है। यह कि मेरा नाम व पत्ता उपरोक्तानुसार

यह कि मुझे मेरे स्वंय का आधार कार्ड बना हुआ है जिसमें मेरा नाम नंदनी साहू (NANDANI SAHU) पिता सीताराम (SITARAM) दर्ज है। जिसका आधार कार्ड नं.- 273898002300 है। जो बालिक है। यह कि मेरे राजस्व रिकॉर्ड में त्रुटिवश ननकुनिया (NANKUNIYA) पिता सीताराम (SITARAM) के नाम हो गया है जो की सही है तथा भविष्य में नंदनी साहू (NANDANI SAHU) पिता सीताराम (SITARAM) के नाम जाना जाये जिसके लिए राजपत्र में प्रकाशन परिवर्तन कर नंदनी साहू (NANDANI SAHU) पिता सीताराम (SITARAM) के नाम से दर्ज करना है जो की सही है तथा भविष्य में नंदनी साहू (NANDANI SAHU) पिता सीताराम (SITARAM) दर्ज किये जाने शपथ पत्र प्रस्तत करने की आश्यकता हुई है। अतः यह शपथ पत्र प्रस्तुत है।

नंदनी साहू
पिता सीताराम
ग्राम खिलोरा
तहसील व जिला बेमेतरा

नाम परिवर्तन

मैं लक्ष्मन खिलोसिया पिता कल्पेश जैन उम्र 20 वर्ष निवासी बेमेतरा तहसील व जिला बेमेतरा (छ.ग.) 491335 जो कि निम्नलिखित शपथपूर्वक कथन प्रस्तुत करता हूं कि

है। यह कि मेरा नाम व पत्ता उपरोक्तानुसार

यह कि मुझे मेरे स्वंय का आधार कार्ड बना हुआ है जिसमें मेरा नाम लक्ष्मन खिलोसिया (LAXMAN KHILOSIYA) पिता कल्पेश जैन (KALPESH JAIN) दर्ज है। जिसका आधार कार्ड नं.- 245397837465 है। जो बालिक है। यह कि मेरे अंकसूची व जन्म प्रमाण पत्र में कुशल जैन (KUSHAL JAIN) पिता कल्पेश जैन (KALPESH JAIN) के नाम हो गया है जो की गलत है तथा भविष्य लक्ष्मन खिलोसिया (LAXMAN KHILOSIYA) पिता कल्पेश जैन (KALPESH JAIN) के नाम जाना जाये जिसके लिए राजपत्र में प्रकाशन परिवर्तन कर लक्ष्मन खिलोसिया (LAXMAN KHILOSIYA) पिता कल्पेश जैन (KALPESH JAIN) के नाम से दर्ज करना है जो की सही है तथा भविष्य में लक्ष्मन खिलोसिया (LAXMAN KHILOSIYA) पिता कल्पेश जैन (KALPESH JAIN) दर्ज किये जाने शपथ पत्र प्रस्तत करने की आश्यकता हुई है। अतः यह शपथ पत्र प्रस्तुत है।

लक्ष्मन खिलोसिया
पिता कल्पेश जैन
ग्राम बेमेतरा तहसील
व जिला बेमेतरा

नाम परिवर्तन

मैं हुमैरा फातिमा पति ईसराइल अली उम्र 28 वर्ष निवासी बेमेतरा तहसील व जिला बेमेतरा (छ.ग.) 491335 जो कि निम्नलिखित शपथपूर्वक कथन प्रस्तुत करता हूं कि

है। यह कि मेरा नाम व पत्ता उपरोक्तानुसार

यह कि मुझे मेरे का आधार कार्ड बना हुआ है जिसमें मेरा नाम गायत्री चौहान (GAYTRI CHAUHAN) पति ईसराइल अली (ISRAIL ALI) दर्ज है। जिसका आधार कार्ड नं.- 292656672962 है। जो बालिक है। यह कि मेरे विवाह प्रमाण पत्र व मतदाता परिचय पत्र में हुमैरा फातिमा (HUMAIRA FATIMA) पति ईसराइल अली (ISRAIL ALI) के नाम हो गया है जो की सही है तथा भविष्य हुमैरा फातिमा (HUMAIRA FATIMA) पति ईसराइल अली (ISRAIL ALI) के नाम जाना जाये जिसके लिए राजपत्र में प्रकाशन परिवर्तन कर हुमैरा फातिमा (HUMAIRA FATIMA) पति ईसराइल अली (ISRAIL ALI) के नाम से दर्ज करना है जो की सही है दर्ज किये जाने शपथ पत्र प्रस्तत करने की आश्यकता हुई है। अतः यह शपथ पत्र प्रस्तुत है ।

हुमैरा फातिमा
पति ईसराइल अली
ग्राम बेमेतरा तहसील
व जिला बेमेतरा

नाम परिवर्तन

मै उत्तरा बंजारे पति अशोक बंजारे उम्र 52 वर्ष निवासी पिकरी तहसील व जिला बेमेतरा (छ.ग.) 491335 जो कि निम्नलिखित शपथपूर्वक कथन प्रस्तुत करता हूं कि

है। यह कि मेरा नाम व पत्ता उपरोक्तानुसार

यह कि मुझे मेरे का आधार कार्ड बना हुआ है जिसमें मेरा नाम उत्तरा बाई (UTTRA BAI) पति अशोक बंजारे (ASHOK BANJARE) दर्ज है। जिसका आधार कार्ड नं.- 533940807231 है। जो बालिक है। यह कि मेरे पेन कार्ड व मतदाता परिचय पत्र में उत्तरा बंजारे (UTTARA BANJARE) पति अशोक बंजारे (ASHOK BANJARE) के नाम हो गया है जो की सही है तथा भविष्य उत्तरा बंजारे (UTTARA BANJARE) पति अशोक बंजारे (ASHOK BANJARE) के नाम जाना जाये जिसके लिए राजपत्र में प्रकाशन परिवर्तन कर उत्तरा बंजारे (UTTARA BANJARE) पति अशोक बंजारे (ASHOK BANJARE) शपथ पत्र प्रस्तत करने की आश्यकता हुई है। अतः यह.. के नाम से दर्ज करना है जो की सही है दर्ज किये जाने शपथ पत्र प्रस्तुत है।

उत्तरा बंजारे
पति अशोक बंजारे
ग्राम पिकरी तहसील
व जिला बेमेतरा

न्यायालय तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी करपावण्ड, जिला बस्तर (छ.ग.)

// उद्घोषणा //

रा.प्र.क्र. 2587/ब-121/2025-26

इस उद्घोषणा के जरिये आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक मानसिंग पिता स्व.घिनू जाति भतरा ग्राम पोलेबेड़ा तहसील करपावण्ड जिला बस्तर द्वारा आवेदक स्वय अथवा अपने पिता स्व. घिनू पिता पाकलू निवासी ग्राम पोलेबेड़ा तहसील करपावण्ड जिला बस्तर छ.ग. का मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्ति हेतु आवेदन पेश किया गया है।

अतः आवेदक के पिता स्व. घिनू पिता पाकलू ग्राम पोलेबेड़ा का दिनांक 05/01/2010 को मृत्यु हुई है। आवेदक मानसिंग पिता स्व. घिनू जाति भतरा ग्राम बोलेबेड़ा तहसील करपावण्ड जिला बस्तर आवेदक स्वयं अथवा आवेदक के दादा पिता सोमारुपिता/पति स्व0 पदम बोल जाति भतरा तहसील करपावण्ड जिला बस्तर द्वारा आवेदक अथवा आवेदक के पिता का मृत्यु प्रमाण पत्र जारी किये जाने पर यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार की आपत्ति अथवा दावा पेश करना हो तो वह स्वयं अथवा अपने अधिकृत अधिवक्ता के मार्फत प्रकरण में नियत पेशी दिनांक 18/08/2026 तक प्रस्तुत कर सकता है। नियत पेशी तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पर किसी प्रकार की सुनवाई नही होगी।

आज दिनांक 03/08/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की से जारी किया गया।

मुहर

कार्यपालिक
तहसीलदार एवं कार्यपालिका
दण्डाधिकारी करपावण्ड,
जिला बस्तर

न्यायालय तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी करपावण्ड, जिला बस्तर (छ.ग.)

// उद्घोषणा //

रा.प्र.क्र. 2586/ब-121/2025-26

इस उद्घोषणा के जरिये आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक परमा बघेल पिता स्व. पदम बघेल जाति भतरा ग्राम पोलेबेड़ा तहसील करपावण्ड जिला बस्तर द्वारा आवेदक स्वय अथवा अपने दादा स्व. गुरुबंधु निवासी ग्राम पोलेबेड़ा तहसील करपावण्ड जिला बस्तर छ.ग. का मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्ति हेतु आवेदन पेश किया गया है।

अतः आवेदक के दादा स्व. गुरुबंधु पिता सोमारु ग्राम पोलेबेड़ा का दिनांक 06/05/2026 को मृत्यु हुई है। आवेदक परमा बघेल पिता स्व. पदम जाति भतरा ग्राम बोलेबेड़ा तहसील करपावण्ड जिला बस्तर आवेदक स्वयं अथवा आवेदक के दादा पिता सोमारुपिता/पति स्व0 पदम बोल जाति भतरा तहसील करपावण्ड जिला बस्तर द्वारा आवेदक अथवा आवेदक के रिश्तेदार का मृत्यु प्रमाण पत्र जारी किये जाने पर यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार की आपत्ति अथवा दावा पेश करना हो तो वह स्वयं अथवा अपने अधिकृत अधिवक्ता के मार्फत प्रकरण में नियत पेशी दिनांक 18/08/2026 तक प्रस्तुत कर सकता है। नियत पेशी तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पर किसी प्रकार की सुनवाई नही होगी।

आज दिनांक 03/08/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की से जारी किया गया।

मुहर

कार्यपालिक
तहसीलदार एवं कार्यपालिका
दण्डाधिकारी करपावण्ड,
जिला बस्तर

न्यायालय तहसीलदार धरसींवा जिला रायपुर (छत्तीसगढ़)

// ईश्तहार //

कमांक/ अ-16/2025 2026
रायपुर, दिनांक 22/07/2026
ग्राम उरला प.ह.नं. 29
तहसील धरसींवा,
जिला रायपुर (छ.ग.)

आवेदक जितेन्द्र सिंह पिता स्व. बलदाऊ सिंह निवासी गीतांजली नगर (शंकर नगर) तहसील व जिला रायपुर छ.ग. द्वारा द्वितीयप्रति ऋणपुस्तिका बाबत् आवेदन पत्र प्रस्तुत कर लेख किया है कि ग्राम उरला प.ह.न. - 29 रा.नि.मं.- 21 रावांभाठा तहसील व जिला रायपुर छ.ग. में स्थित कृषि भूमि खसरा नंबर 1/2, 2/2, 3, 6 रकबा क्रमशः 0.353, 0.069, 0.248, 0.154 कुल खसरा नंबर 04 भूमि राजस्व अभिलेख मे जितेन्द्र सिंह पिता स्व. बलदाऊ सिंह निवासी गीतांजली नगर (शंकर नगर) तहसील व जिला रायपुर छ.ग. के नाम पर राजस्व अभिलेख मे दर्ज है। आवेदक द्वारा धारित भूमि का मूल ऋणपुस्तिका गुम हो गया है। जिसका ऋण पुस्तिका क्रमांक 1569108 है। द्वितीयप्रति ऋण पुस्तिका जारी किये जाने का निवेदन किया है।

अतः आवेदक द्वितीयप्रति ऋण पुस्तिका जारी करने बाबत् आवेदन के संबंध में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को दावा / आपत्ति प्रस्तुत करना हो वे नियत सुनवाई दिनांक 18/009 तक स्वतः अथवा वैध प्रतिनिधि के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर दावा / आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर न्यायालय द्वारा विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिन 07/8/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया

मुहर

तहसीलदार, धरसींवी
जिला रायपुर (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार बेमेतरा, तहसील व जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

// ईश्तहार //

एतद द्वारा सर्वसाधारण व आम जनता निवासी ग्राम तेलईकुड़ा प.ह.नं. 37 तहसील व जिला बेमेतरा को सूचना प्रकाशित किया जाता है, कि आवेदिकागण कमशः सीमा वर्मा पति स्व. बेनीराम व अन्य 17 निवासी ग्राम तेलईकुड़ा तहसील व जिला बेमेतरा द्वारा ग्राम तेलईकुड़ा प.ह.नं. 37 तहसील व जिला बेमेतरा स्थित भूमि खसरा नं. 46, 83/1, 94/1, 94/4, 136, 164, 181, 184, 194, 203, 205, 238, 304, 324, 356, 366, 4: 0.51, 2.08, 1.92, 0.32, 1.11, 0.04, 0.81, 0.03, 0.16, 1. 4, 9.3, 0.91, 2.56, 0.38, 2.88, 0.59 हे. कुल खसरा नं. 16 कुल रकबा 25.000 हे. भूमि जो राजस्व अभिलेख मे भुखउसिंह पिता गणेश के नाम पर कृषि भूमि भूमिस्वामी हक मे दर्ज है। आवेदिकागण द्वारा उक्त आवेदित भूमि के भूमिस्वामी की मृत्यु दिनांक 03.11.2016 को हो जाने से उक्त आवेदित भूमि के राजस्व अभिलेख से मृत खातेदार का नाम विलोपित कर उनके विधिक वारिसो के नाम पर फौती नामांतरण किये जाने आवेदन पत्र इस न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया है।

अतएव उपरोक्त आवेदित भूमि का फौती नामांतरण किये जाने मे जिस किसी भी व्यक्ति को कोई दावा / आपत्ति हो, तो दिनांक 31/08/26 तक अपना दावा /आपत्ति कर सकते है। तत्पश्चात् बाद में प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई सुनवाई नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 13/08/26 को मेरे स्वतः के हस्ताक्षर से न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर

तहसीलदार
बेमेतरा

समाज प्रमुखों से पुलिस की अपील, अनजान फेरीवालों और संदिग्ध व्यक्ति यों से रहें सतर्क

रायपुर। पुलिस ने जिले के सभी समाज प्रमुखों, अध्यक्षों, पदाधिकारियों और वरिष्ठजनों से अपील की है कि वे अपने समाज के वार्षिक अधिवेशन, बैठकों और सामाजिक कार्यक्रमों के दौरान सदस्यों को सुरक्षा एवं सतर्कता के प्रति जागरूक करें। पुलिस ने आम नागरिकों से अपने आसपास आने वाले अजनबी और संदिग्ध लोगों की गतिविधियों पर नजर रखने की अपील की है। पुलिस ने विशेष रूप से अज्ञात फेरीवालों से सतर्क रहने की सलाह दी है। गांव या मोहल्ले में आने वाले नए अथवा अनजान फेरीवालों के बारे में जानकारी रखने और उनका वैध पहचान पत्र अवश्य देखने कहा गया है। इसी तरह बिना सत्यापन के जड़ी-बूटी या अन्य सामान बेचने वाले अजनबियों को घर में प्रवेश नहीं देने की अपील की गई है। पुलिस के मुताबिक यदि आसपास कोई अज्ञात व्यक्ति संदिग्ध गतिविधियों में लिप्त दिखाई देता है या किसी स्थान पर संदिग्ध रूप से रुकता अथवा घूमता नजर आता है, तो नागरिकों को तत्काल सतर्क होकर पुलिस को सूचना देनी चाहिए। पुलिस ने अवैध रूप से रह रहे व्यक्तियों और अवैध प्रवास से जुड़ी किसी भी जानकारी को तत्काल पुलिस प्रशासन तक पहुंचाने की अपील की है। सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान गोपनीय रखने की बात कही गई है। बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की जानकारी मिलने पर बिना देरी पुलिस को सूचित करें। इसके लिए पुलिस ने टोल-फ्री नंबर 1800 233 1905 जारी किया है।

न्यायालय तहसीलदार बेरला, जिला बेमेतरा छ.ग.

// ईश्तहार //

एतद् द्वारा सर्व साधारण ग्रामवासी ग्राम अतरगढ़ी को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक घनाराम साहू पिता पुनाराम साहू निवासी ग्राम कुरुद द्वारा आवेदन पत्र पेश किया है कि उनकी बहन का मृत्यु दिनांक 07/07/1997 को ग्राम अतरगढ़ी में होना बताया है। आवेदक ने आवेदक पत्र के साथ शपथ पत्र, चालान की प्रति संलग्न कर मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने का निवेदन किया है।

आवेदक की बहन मालती पति जगलाल के मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने में जिस किसी व्यक्ति/ संस्था को दावा करना हो तो दिनांक 19/08/2026 को स्वयं या किसी अन्य व्यक्ति के द्वारा आवेदन पेश कर सकते है। नियत दिनांक बाद प्राप्त आवेदन पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 05/08/2026 को न्यायालय की मुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

मुहर

तहसीलदार बेरला
जिला बेमेतरा

न्यायालय तहसीलदार बेरला, जिला बेमेतरा छ.ग.

// ईश्तहार //

एतद् द्वारा सर्व साधारण ग्रामवासी ग्राम कुरुद को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक घनाराम साहू पिता पुनाराम साहू निवासी ग्राम कुरुद द्वारा आवेदन पत्र पेश किया है कि उनकी माता का मृत्यु दिनांक 17/11/2003 को ग्राम कुरुद में होना बताया है। आवेदक ने आवेदक पत्र के साथ शपथ पत्र, चालान की प्रति संलग्न कर मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने का निवेदन किया है।

आवेदक की माता तिरिथ बाई पति पुनाराम के मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने में जिस किसी व्यक्ति/ संस्था को दावा करना हो तो दिनांक 19/08/2026 को स्वयं या किसी अन्य व्यक्ति के द्वारा आवेदन पेश कर सकते है। नियत दिनांक बाद प्राप्त आवेदन पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 05/08/2026 को न्यायालय की मुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

मुहर

तहसीलदार बेरला
जिला बेमेतरा

सिहावा पुलिस की जुआरियों पर बड़ी कार्रवाई

रायपुर। जिले में जुआ-सट्टा और अन्य अवैध गतिविधियों के खिलाफ धमतरी पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर सिहावा पुलिस ने 12 अगस्त को सार्वजनिक स्थानों पर रुपये-पैसों की हार-जीत का दांव लगाकर काटपत्ती जुआ खेल रहे 10 जुआरियों को अलग-अलग दो प्रकरणों में गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कुल 6,730 रुपये नगद और 52 पत्ती ताश जब्त की है। पुलिस के अनुसार, पहला मामला ग्राम सेमरा गौठान का है। यहां स्ट्रीट लाइट के नीचे जुआ खेलने की सूचना पर पुलिस टीम ने दबिश देकर छन्नू लाल साहू (39) और वेद कुमार नेताम (26) को रंगे हाथ पकड़ा। आरोपियों के कब्जे से 530 रुपये नगद और 52 पत्ती ताश बरामद हुई।

न्यायालय तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी करपावण्ड, जिला बस्तर (छ.ग.)

// उद्घोषणा //

रा.प्र.क्र. 2588/जे-121/ 2025-2026

इस उद्घोषणा के जरिये आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुकमती पति स्व. गोवर्धन जाति भदरा ग्राम पोलेबेड़ा तहसील करपावण्ड जिला बस्तर द्वारा आवेदक स्वयं अथवा अपने रिश्तेदार स्व दामोदर पिता लक्ष्मीनाथ निवासी ग्राम.......... तहसील करपावण्ड जिला बस्तर छ.ग. का मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्ति हेतु आवेदन पेश किया गया है।

अतः आवेदक के रिश्तेदार स्व. दामोदर पिता स्व. लक्ष्मीनाथ निवासी ग्राम पोलेबेड़ा का दिनांक 08/01/2009 को मृत्यु हुई है। आवेदक सुकमती पिता स्व. गोवर्धन जाति भतरा ग्राम पोलेबेड़ा तहसील करपावण्ड जिला बस्तर आवेदक स्वय अथवा आवेदक के रिश्तेदार का मृत्यु प्रमाण पत्र जारी किये जाने पर यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार की आपत्ति अथवा दावा पेश करना हो तो वह स्वयं अथवा अपने अधिकृत अधिवक्ता के मार्फत प्रकरण में नियत पेशी दिनांक 18/08/2026 तक प्रस्तुत कर सकता है। नियत पेशी तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पर किसी प्रकार की सुनवाई नही होगी।

आज दिनांक 03/08/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की से जारी किया गया।

मुहर

कार्यपालिक
तहसीलदार एवं कार्यपालिका
दण्डाधिकारी करपावण्ड,
जिला बस्तर

न्यायालय तहसीलदार बेमेतरा, तहसील व जिला - बेमेतरा (छ.ग.)

// ईश्तहार //

क्र. / /प्र.1/ तह. / 2026
बेमेतरा, दिनांक..
रा. प्र. क्र., ब- 121 वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक राजेन्द्र कुमार पिता स्व. हिरउ निवासी ग्राम तिलईकुड़ा तहसील व जिला बेमेतरा के द्वारा इस न्यायालय के समक्ष अपने माता भागमती पति हिरउ के मृत्यु पंजीयन हेतु आवेदन पेश किया गया है। जिनकी मृत्यु दिनाँक 19.03.2017 को ग्राम तिलईकुड़ा तहसील व जिला बेमेतरा में होना और भूलवश मृत्यु का पंजीयन नहीं करा पाना बताया गया है।

उक्त आवेदन पत्र के संबंध में जिस किसी को दावा / आपत्ति हो तो वे नियत पेशी तारीख 22/08/26 तक इस न्यायालय में स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर अपनी दावा / आपत्ति दर्ज करा सकते हैं । उक्त तिथि के पश्चात् प्राप्त आवेदन पर विचार नहीं किया जायेगा ।

आज दिनाँक 11/08/:26. को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुहर सहित ईश्तहार जारी ।

मुहर

तहसीलदार
बेमेतरा

!!न्यायालय तहसीलदार, तहसील - नवागढ़ जिला बेमेतरा (छ0ग0) !!

// ईश्तहार //

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक संतोष साहू पिता जीवन साहू जाति तेली निवासी ग्राम मुरता तहसील नवागढ़ जिला बेमेतरा छ0ग0 के द्वारा इस आश्य का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है कि आवेदक के पुत्री देवकुमारी साहू का जन्म दिनांक 24/08/2020 को ग्राम मुरता तहसील नवागढ़ जिला बेमेतरा में हुआ है, अज्ञानता वश उनके परिवार के किसी भी सदस्य के द्वारा जन्म पंजीयन ग्राम कोटवार / थाना / नगर पंचायत में दर्ज नहीं करवाया है, अब जन्म प्रमाण पत्र की आवश्यक्ता हो रही है ग्राम पंचायत/नगर पंचायत /जनपद पंचायत मुरता को जन्म पंजीयन कर जन्म प्रमाण पत्र प्रदाय किये जाने हेतु निर्देश जारी किया जावे।

अतएव उक्त संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 20/08/26 को न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति पेश कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 06/08/26 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर

तहसीलदार
नवागढ़

!!न्यायालय तहसीलदार, तहसील - नवागढ़ जिला बेमेतरा (छ0ग0) !!

// ईश्तहार //

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक बराती पिता आत्मा राम जाति तेली निवासी ग्राम लालपुर तहसील नवागढ़ जिला बेमेतरा छ0ग0 के द्वारा इस आश्य का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है कि आवेदक के दादा इन्दे राम पिता कन्हई का मृत्यु दिनांक 04/09/2003 को ग्राम लालपुर तहसील नवागढ़ जिला बेमेतरा में होना बताया गया है, अज्ञानता वश उनके परिवार के किसी भी सदस्य के द्वारा मृत्यु पंजीयन ग्राम पंचायत में दर्ज नहीं करवाया है, अब मृत्यु प्रमाण पत्र की आवश्यक्ता हो रही है, ग्राम पंचायत गनिया को मृत्यु पंजीयन कर मृत्यु प्रमाण पत्र प्रदाय किये जाने हेतु निर्देश जारी किया जावे।

अतएव उक्त संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 27/08/26 को न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति पेश कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 13/08/26 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर

तहसीलदार
नवागढ़

!!न्यायालय तहसीलदार, तहसील - नवागढ़ जिला बेमेतरा (छ.ग.)!!

// ईश्तहार //

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक रिधो पिता राधे जाति तेली निवासी ग्राम लालपुर तहसील नवागढ़ जिला बेमेतरा छ0ग0 के द्वारा इस आश्य का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है कि आवेदक के पिता राधे पिता कन्हई का मृत्यु दिनांक 27/09/2002 को ग्राम लालपुर तहसील नवागढ़ जिला बेमेतरा में होना बताया गया है, अज्ञानता वश उनके परिवार के किसी भी सदस्य के द्वारा मृत्यु पंजीयन ग्राम पंचायत में दर्ज नहीं करवाया है, अब मृत्यु प्रमाण पत्र की आवश्यक्ता हो रही है, ग्राम पंचायत गनिया को मृत्यु पंजीयन कर मृत्यु प्रमाण पत्र प्रदाय किये जाने हेतु निर्देश जारी किया जावे।

अतएव उक्त संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 27/08/2/ को न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति पेश कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 13/08/26 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर

तहसीलदार
नवागढ़

!!न्यायालय तहसीलदार, तहसील - नवागढ़ जिला बेमेतरा (छ.ग.)!!

// ईश्तहार //

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सरजू पाल पिता फेरहा पाल जाति गड़रिया निवासी ग्राम नांदल तहसील नवागढ़ जिला बेमेतरा छ0ग0 के द्वारा इस आश्य का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है कि आवेदक के दादी गंगा बाई पाल पति बुटू राम पाल की मृत्यु दिनांक 17/08/2004 को ग्राम नांदल तहसील नवागढ़ जिला बेमेतरा में होना बताया गया है, अज्ञानता वश उनके परिवार के किसी भी सदस्य के द्वारा मृत्यु पंजीयन ग्राम पंचायत में दर्ज नहीं करवाया है, अब मृत्यु प्रमाण पत्र की आवश्यक्ता हो रही है, ग्राम पंचायत नांदल को मृत्यु पंजीयन कर मृत्यु प्रमाण पत्र प्रदाय किये जाने हेतु निर्देश जारी किया जावे।

अतएव उक्त संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 20/08/26 को न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति पेश कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 06/08/9त्र को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर

तहसीलदार
नवागढ़

न्यायालय तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी करपावण्ड, जिला बस्तर (छ.ग.)

// उद्घोषणा //

रा.प्र.क्र.2591 /9-121/2025-26

इस उद्घोषणा के जरिये आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक प्रहलाद पिता/पत्ति मगरा जाति भतरा ग्राम ..... जैबेल तहसील करपावण्ड जिला बस्तर द्वारा आवेदक स्वयं अथवा अपने नाना स्व0 कोडिया/ पदल्लक निवासी ग्राम जैबेल, तहसील करपावण्ड, जिला बस्तर (छ.ग.) का मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्ति हेतु आवेदन पेश किया गया है।

अतः आवेदक/ आवेदिका के नाना स्व.कोड़िया पिता स्व0 पदलाम ग्राम जैबेल का दिनांक 20/02) 2009 को जन्म/मृत्यु हुई है। आवेदक स्व 0. पिता/पति स्व0 पलाम जाति ...भा. तहसील करपाण्ड जिला बस्तर आवेदक स्वयं अथवा आवेदक के नाना के मृत्यु प्रमाण पत्र जारी किये जाने पर यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार की आपत्ति अथवा दावा पेश करना हो तो वह स्वयं अथवा अपने अधिकृत अधिवक्ता के मार्फत प्रकरण में नियत पेशी दिनांक 241082026 तक प्रस्तुत कर सकता है। नियत पेशी तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पर किसी प्रकार की सुनवाई नही होगी।

आज दिनांक 10/08/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर

कार्यपालिक
तहसीलदार एवं कार्यपालिका
दण्डाधिकारी करपावण्ड,
जिला बस्तर

संक्षिप्त समाचार

ट्रंप के कार्यकाल में बदलेगा क्यूबा': मार्को रूबियो का बड़ा दावा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने क्यूबा के भविष्य को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने भरोसा जताया है कि डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन का कार्यकाल खत्म होने से पहले क्यूबा एक ऐसे बदलाव की दिशा में आगे बढ़ चुका होगा, जिसे वापस पलटना मुश्किल होगा। रूबियो ने क्यूबा के लिए बहुत अलग भविष्य की बात कही। उन्होंने इसे अमेरिका के राष्ट्रीय हित से भी जोड़ा। रूबियो ने यह बात अमेरिकी विदेश विभाग की ओर से मंगलवार को जारी किए गए 'द केटी मिलर पॉडकास्ट' के इंटरव्यू में कही। मार्को रूबियो ने कहा कि वह किसी चीज की गारंटी नहीं देते, लेकिन क्यूबा निश्चित रूप से इस प्रशासन की प्राथमिकताओं में है। इसकी वजह अमेरिका का राष्ट्रीय हित है। रूबियो ने हालांकि यह नहीं बताया कि अमेरिका क्यूबा में बदलाव के लिए कौन-कौन से खास कदम उठाने वाला है। रूबियो ने क्यूबा की मौजूदा व्यवस्था को लेकर बदलाव की गति पर भी बात की। उन्होंने कहा कि करीब 70 साल से मौजूद किसी व्यवस्था की जड़ें गहरी हो जाती हैं। ऐसे में उसे रातोंरात हटाकर उसकी जगह बिल्कुल नई व्यवस्था खड़ी नहीं की जा सकती। उन्होंने साफ कहा कि बदलाव के लिए एक प्रक्रिया जरूरी होगी। रूबियो ने इसके लिए पूर्वी यूरोप का उदाहरण दिया। उनके मुताबिक, कम्युनिस्ट शासन के अंत के बाद पूर्वी यूरोप के देशों को उस स्थिति तक पहुंचने में तीन से पांच साल लगे, जिसके लिए वे आज जाने जाते हैं। उन्होंने पोलैंड को इसका सबसे अच्छा उदाहरण बताया। रूबियो ने कहा कि क्यूबा को लेकर अमेरिकी रुख सिर्फ राजनीतिक बदलाव तक सीमित नहीं है। उन्होंने इसे अमेरिका के राष्ट्रीय हित से जोड़ा। उनका कहना है कि अमेरिका के लिए एक ऐसा क्यूबा होना जरूरी है जो सुरक्षित, स्थिर और अमेरिका के साथ तालमेल रखने वाला हो। रूबियो ने यह भी स्पष्ट किया कि क्यूबा से उनका व्यक्तिगत जुड़ाव है। वह क्यूबाई-अमेरिकी हैं। लेकिन उन्होंने कहा कि बतौर अमेरिकी विदेश मंत्री वह क्यूबा के लिए नहीं, बल्कि अमेरिका के लिए काम करते हैं।

15 अगस्त से पाकिस्तान में बंद हो जाएंगे पेट्रोल पंप, डीलर्स का बड़ा एलान

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में पेट्रोल पंपों की हड़ताल का एलान कर दिया गया है। पाकिस्तान पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन ने मंगलवार को घोषणा की कि 15 अगस्त से देशभर के पेट्रोल पंप बंद रहेंगे। डीलर्स ने साफ किया है कि सरकार उनकी मांगें नहीं मानती है तो आंदोलन जारी रहेगा। एसोसिएशन ने सरकार को मांगों पर फैसला लेने के लिए 72 घंटे का अल्टीमेटम भी दिया है। पाकिस्तान पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन के चेयरमैन मलिक खुदा बख्श ने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में पेट्रोल पंप बंद करने के फैसले की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह निर्णय डीलर्स की बैठक में लिया गया है। डीलर्स का कहना है कि सरकार उनकी मांगों पर सहमति नहीं बनाती है तो 15 अगस्त से पेट्रोल पंप बंद कर दिए जाएंगे और हड़ताल मांगें पूरी होने तक जारी रहेगी। पेट्रोलियम डीलर्स लंबे समय से पेट्रोल पर आठ प्रतिशत मार्जिन की मांग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि एसोसिएशन के करीब 14,000 सदस्यों की ओर से लगातार दबाव बनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि डीलर्स ने सरकार को अपनी मांगों पर कार्रवाई के लिए दो सप्ताह का समय दिया था, लेकिन यह समयसीमा अब समाप्त हो चुकी है। इससे पहले 22 जुलाई को ऑल पाकिस्तान पेट्रोल पंप ओनर्स एसोसिएशन ने प्रस्तावित पेट्रोल पंप बंदी को दो सप्ताह के लिए टाल दिया था। उस समय पेट्रोलियम मंत्री अली परवेज मलिक ने डीलर्स को उनकी समस्याओं के समाधान का भरोसा दिया था। एसोसिएशन ने पेट्रोल की कीमत रोजाना तय करने वाली नीति की समीक्षा करने की मांग भी पाकिस्तान के पेट्रोलियम मंत्रालय से की थी। 17 जुलाई को पाकिस्तान के पेट्रोलियम मंत्री अली परवेज मलिक और सूचना मंत्री अत्ता तरार ने कहा था कि वैश्विक तेल कीमतों में उतार-चढ़ाव के बीच ईंधन की कीमतों में रोजाना बदलाव किया जाएगा।

लेविट सबसे भरोसेमंद सहयोगियों में से एक: व्हाइट हाउस प्रेस सचिव की विदाई पर बोले ट्रंप

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को (स्थानीय समय) घोषणा की कि व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट महीने के अंत में अपना पद छोड़ देंगी। वह अपने छोटे बच्चों और परिवार के साथ ज्यादा समय बिताना चाहती हैं। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में लेविट को अपनी 'सबसे भरोसेमंद सहयोगियों में से एक' बताया। उन्होंने कहा कि वह उनके फैसले को समझते हैं और उसका सम्मान करते हैं।

उन्होंने कहा, हमारी व्हाइट हाउस की शानदार प्रेस सचिव और मेरी सबसे भरोसेमंद सहयोगियों में से एक कैरोलिन लेविट महीने के अंत में अपना पद छोड़ेंगी, ताकि वह अपने प्यारे छोटे बच्चों और परिवार के साथ ज्यादा समय बिता सकें। मैं उनके इस फैसले को पूरी तरह समझता और सम्मान करता हूं।

राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि लेविट आगे भी उनके शीर्ष बाहरी सलाहकारों में से एक के रूप में काम करती रहेंगी। साथ ही वह रिपब्लिकन पार्टी में एक प्रभावशाली आवाज बनी रहेंगी, क्योंकि उनका प्रशासन आने वाले

मध्यावधि चुनावों की तैयारी कर रहा है। ट्रंप ने आगे कहा, कैरोलिन अब मेरे शीर्ष बाहरी सलाहकारों में से एक होंगी और रिपब्लिकन पार्टी में एक प्रभावशाली आवाज बनी रहेंगी, क्योंकि हम इतिहास को गलत साबित करने और मध्यावधि चुनावों में निर्णायक जीत हासिल करने के लिए काम कर रहे हैं। कैरोलिन व्हाइट हाउस में एक सच्ची नेता रही हैं और उन्होंने 2018 से न्याय, स्वतंत्रता और आजादी के लिए शानदार काम किया है। इसमें 2024 का हमारा ऐतिहासिक चुनाव अभियान भी शामिल है। कैरोलिन व्हाइट हाउस प्रेस सचिव के पद के इतिहास में सबसे बेहतरीन प्रेस सचिवों में से एक रही हैं। कैरोलिन अच्छी तरह से काम करने के लिए आपका धन्यवाद।

कैरोलिन लेविट ने क्या कहा: लेविट ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि पिछले डेढ़ साल से व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव के रूप में काम करना 'उनकी जिंदगी का सबसे बड़ा सम्मान' रहा है। उन्होंने कहा, 'पिछले डेढ़ साल से व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव के रूप में काम करना मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा सम्मान रहा है। मैं राष्ट्रपति ट्रंप की बेहद आभारी हूं कि उन्होंने मुझे इतने असाधारण अवसर दिए। इनमें वेस्ट विंग में काम करना, ओवल ऑफिस में अनगिनत घंटे बिताना, दुनियाभर में उड़ान भरना और विदेशी नेताओं से मिलना और हमारे खूबसूरत देश की यात्रा करके हर तरह के लोगों से मिलना शामिल है।

लेविट ने आगे कहा, सबसे बढ़कर, मैं राष्ट्रपति की आभारी हूं कि उन्होंने मुझे व्हाइट हाउस के पोडियम से उनकी ओर से बोलने का विशेष अधिकार और जिम्मेदारी दी। मैंने इस प्रशासन की कई ऐतिहासिक उपलब्धियों के बारे में बहुत गर्व के साथ बात की है। मैंने उदारवादी मीडिया को जवाबदेह ठहराने और यह सुनिश्चित करने का भी पूरा आनंद लिया है कि अमेरिकी लोगों तक राष्ट्रपति ट्रंप की सफलताओं की सच्चाई पहुंचे। मां के रूप में अपनी जिम्मेदारियों का जिक्र करते हुए लेविट ने कहा कि अपने छोटे बच्चों की परवरिश के साथ इतनी व्यस्त नौकरी करना संतोष देने वाला लेकिन चुनौतीपूर्ण रहा है। उन्होंने कहा, मां बनना और एक नए बच्चे का स्वागत करना, साथ ही दुनिया की सबसे कठिन नौकरियों में से एक को करना, मेरी जिंदगी का सबसे संतोष देने वाला लेकिन चुनौतीपूर्ण दौर रहा है। सच यह है कि अपनी बेटी के जन्म के बाद व्हाइट हाउस लौटने के बाद से मेरे दिल में यह भावना रही कि व्हाइट हाउस प्रेस सचिव के लिए जरूरी समय, ऊर्जा और ध्यान देने के साथ मैं अपने दो छोटे बच्चों के लिए उनकी जरूरत के मुताबिक सबसे अच्छी मां नहीं बन सकती। इसी वजह से मैंने आखिरकार व्हाइट हाउस छोड़ने और अपनी जिंदगी के एक नए अध्याय की शुरुआत करने का यह भावुक लेकिन कठिन फैसला लिया है। उन्होंने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप ने मुझसे बाहर से उनके शीर्ष सलाहकारों में से एक के रूप में काम करते रहने को कहा है। मैं हमेशा मेक अमेरिका ग्रेट अगेन और रिपब्लिकन पार्टी की खुलकर वकालत करती रहूंगी। हमारा देश एक ऐसी डेमोक्रेटिक पार्टी से अस्तित्व के लिए बड़े खतरे का सामना कर रहा है, जो लगातार ज्यादा कट्टरपंथी होती जा रही है और अमेरिका की हर महान चीज को नष्ट करना चाहती है।

मेरा मानना है कि जो भी लोग इस देश की

मलबे से आई फुसफुसाहट ने बचाई छह महीने के मासूम की जान; बेटे के जन्मदिन पर काल के मुंह से बाहर आई मां

पेरेरा, एजेंसी। कोलंबिया में सोमवार को आए 7.4 तीव्रता के भीषण भूकंप के तीसरे दिन एक चमत्कारी घटना सामने आई है। कैली शहर के ला टोरेस डेल लिमोनार आवासीय परिसर में ढही पांच मंजिला इमारत के मलबे के ढेर से छह महीने के मासूम बच्चे को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। मलबे के भीतर से आई बेहद धीमी फुसफुसाहट ने जान बचाई।

सोमवार को आए इस शक्तिशाली भूकंप के बाद जब ब्रायन ओसोरियो जुलुगा अपने ऑफिस से बाइक पर सवाल होकर घर लौट रहे थे तो वो रास्ते में मलबे में तब्दील हो चुकी इमारत देखकर रुक गए। गैस लीक की चेतावनी के बावजूद वह मलबे के पास पहुंचे और लोगों से खामोश रहने के लिए कहा। तभी मलबे के नीचे से एक शख्स की क्षीण आवाज गूंजी। हां! मैं यहां हूं। मेरे साथ एक बच्चा है।

इसके बाद ब्रायन और अन्य स्थानीय स्वयंसेवकों ने अपने हाथों से मलबा हटाना शुरू किया। रास्ते में एक भारी कंक्रीट का स्लैब रुकावट बना, जिसे सबने मिलकर एक साथ उठाया। जैसे ही मलबा हटा, बच्चे की सांसें सामान्य होने लगीं। एक पुलिसकर्मी की मदद से बच्चे को तुरंत एंबुलेंस से अस्पताल भेजा गया। आधे दबे हुए उस व्यक्ति को भी सुरक्षित बचा लिया गया। पश्चिमी कोलंबिया में आए इस विनाशकारी भूकंप में अब तक 200 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। मलबे में तब्दील हुई इस इमारत के पास लोगों का यह साझा प्रयास इंसानियत की मिसाल बन गया।

वहीं, रियोसुसियो शहर के रहने वाले जूलियो सीजर लार्गो की 32 वर्षीय बेटी डेनियला चमत्कारिक रूप से बच गईं। घटना के दिन उनके बेटे का 12वां जन्मदिन था और परिवार जश्न की तैयारी कर रहा था। डेनियला परेरा शहर में एक चार मंजिला इमारत के ढहने से मलबे में फंस गई थीं और 38 घंटे तक दबी रहीं। रेस्क्यू टीम ने 10 घंटे के कड़े संघर्ष के बाद उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला। अस्पताल ले जाते समय लोगों ने तालियां बजाकर खुशी मनाई। पिता ने इसे अपनी बेटी के दोबारा जन्म जैसा बताया है।

पश्चिम एशिया में फिर बिगड़ेंगे हालात, लाल सागर में हूती लड़ाकों ने सऊदी जहाजों को बनाया निशाना

रियाद, एजेंसी। यमन के हूती विद्रोहियों ने बुधवार को सऊदी जहाजों को निशाना बनाया। जिससे पश्चिम एशिया के हालात फिर से बिगड़ने का खतरा पैदा हो गया है। हूती विद्रोहियों ने बुधवार को लाल सागर में एक सैन्य परिवहन पोत पर हमला किया और सऊदी समर्थित ठिकानों पर भी हमले किए। हूती विद्रोहियों के सैन्य प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि 'विद्रोही समूह ने मोचा और मारिब क्षेत्रों में सऊदी अरब के सैन्य ठिकानों पर हमले किए। इस दौरान हथियार डिपो और कमान केंद्रों को बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन से निशाना बनाया गया। हमले सटीक थे और इनमें सऊदी नागरिकों समेत दर्जनों लोग हताहत हुए।' हूती लड़ाकों ने कहा है कि वे आगे भी सऊदी अरब की सैन्य टुकड़ियों को निशाना बनाना जारी रखेंगे। सऊदी अरब तनाव बढ़ाकर हमारे देश पर कब्जा करना चाहता है। इससे पहले भी हूति विद्रोहियों ने बाब अल मंदेब जलडमरूमध्य में एक वाणिज्यिक पोत पर मिसाइल हमला किया था। जिसमें कम से कम छह लोग मारे गए थे। यमन सरकार ने इस हमले के पीछे हूती विद्रोहियों को जिम्मेदार ठहराया था। इस बीच यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त राष्ट्रपति नेतृत्व परिषद के अध्यक्ष रशाद अल अलीमी ने कहा है कि सरकार हूती विद्रोहियों की कार्रवाई का जवाब देगी। साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि वे समूह से लड़ाई खत्म करने, हथियार डालने और देश की राजनीतिक प्रक्रिया में शामिल होने का आह्वान भी करते हैं। यमन का युद्ध फिर भड़कने के कगार पर है। हूतियों ने सऊदी अरब के खिलाफ समुद्री नाकेबंदी का एलान कर दिया है। वहीं सऊदी अरब ने भी बीते दिनों यमन में हूती विद्रोहियों के ठिकानों पर हमले किए थे। हूती विद्रोही ईरान समर्थित हैं और उनका सऊदी के साथ विवाद है। ताजा विवाद बीती 13 जुलाई को तब भड़का, जब कुछ हूती नेता ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की अंतिम यात्रा में शामिल होकर ईरान से यमन लौट रहे थे। लेकिन यमन की सऊदी समर्थित

पाकिस्तान फिर बेनकाब, पूर्व मंत्री ने खुद को बताया हाफिज सईद का गुलाम; भारत को दी धमकी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में सत्ता और आतंकवाद का गठजोड़ कितना गहरा है, ये एक बार फिर बेनकाब हो गया है। दरअसल पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान के करीबी रहे और उनकी सरकार के मंत्री रहे शेख रशीद ने अब खुद को खूंखार आतंकी हाफिज सईद का नौकर बता दिया है। शेख रशीद न सिर्फ इस्लामाबाद में लश्कर ए तैयबा के कार्यक्रम में शामिल हुआ, बल्कि उसने खुद को हाफिज सईद का समर्थक भी बताया। इस दौरान मंच पर लश्कर के कई खूंखार आतंकी भी मौजूद रहे, जिनमें लश्कर का वरिष्ठ कमांडर शेख याकूब और संधू शामिल रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शेख रशीद ने कहा, मैं हाफिज सईद साहब का गुलाम हूं। रशीद ने ये भी बताया कि एक बार उसके फोन में हाफिज सईद का नंबर मिला था, जिसके चलते उसे अमेरिका से बाहर कर दिया गया था। इसके साथ ही शेख रशीद ने मंच से भारत को धमकियां भी दी। गीदड़ भभकी दिखाते हुए शेख रशीद ने कहा कि अगर भारत ने पाकिस्तान की तरफ देखा तो वहां कोई चिड़िया नहीं चहचहाएगी और न ही मंदिर में घंटियां बजेगी और भारत में ऐसा कोई काम नहीं होगा, जो पाकिस्तान के खिलाफ हो। शेख रशीद पाकिस्तान की इमरान खान सरकार में 2020 से 2022 तक गृह मंत्री रहा। वह अवामी मुस्लिम लीग पार्टी का संस्थापक नेता भी है। शेख रशीद इससे पहले भी अपने भारत विरोधी बयानों को लेकर चर्चा में रहा है। 2019 में भी शेख रशीद ने भारत के खिलाफ बेहद उग्र बयान दिए थे और युद्ध और परमाणु हथियारों की बात की थी। हाफिज सईद आंतकी संगठन लश्कर एक तैयबा का प्रमुख है और भारत के मोस्ट वांटेड आतंकियों की सूची में शामिल है। हाफिज सईद ही 26/11 के मुंबई हमले का मास्टरमाइंड है। साथ ही पुलवामा में हुए हमले का मास्टरमाइंड भी उसे ही माना जाता है। हाफिज सईद जम्मू कश्मीर में आतंकवाद को बढ़ावा देने के लिए आतंकी समूहों को फंडिंग करता है।

ग्रीन कार्ड का सपना देख रहे भारतीयों को बड़ा झटका, ईबी-2 भारत का कोटा अस्थायी रूप से क्यों बंद

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में स्थायी निवास यानी ग्रीन कार्ड का इंतजार कर रहे हजारों भारतीय आईटी पेशेवरों और उच्च कुशल कामगारों के लिए बड़ा झटका है। ईबी-2 भारत का ग्रीन कार्ड कोटा वित्त वर्ष खत्म होने के कारण अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। इससे अंतिम मंजूरी की प्रक्रिया रुक गई है। लंबित आवेदनों पर कागजी काम जारी रहेगा, लेकिन क्या नए वित्त वर्ष में भारतीयों को फिर राहत मिलेगी?

अमेरिका में ग्रीन कार्ड का इंतजार कर रहे भारतीय आईटी पेशेवरों और दूसरे उच्च कुशल कामगारों के लिए परेशानी बढ़ गई है। इनमें एच-1बी वीजा पर अमेरिका में काम कर रहे भारतीय पेशेवर भी शामिल हैं। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने ईबी-2 भारत श्रेणी का ग्रीन कार्ड कोटा अस्थायी रूप से बंद कर दिया है। यह रोक 30 सितंबर को खत्म हो रहे मौजूदा वित्त वर्ष के कारण लगी है। इसका सीधा असर उन भारतीय आवेदकों पर पड़ेगा, जो अमेरिका में स्थायी निवास की मंजूरी का इंतजार कर रहे हैं।

ईबी-2 भारत का ग्रीन कार्ड कोटा क्यों हुआ बंद?

ईबी-2 श्रेणी में एडवांस्ड डिग्री रखने वाले या असाधारण योग्यता वाले पेशेवर शामिल होते हैं। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के अनुसार, मौजूदा वित्त वर्ष का कोटा खत्म होने की वजह से ईबी-2 भारत के लिए नए आप्रवासी वीजा नंबर फिलहाल उपलब्ध नहीं हैं। इसका मतलब है कि भारतीय आवेदकों के लिए अंतिम मंजूरी की प्रक्रिया रुक गई है। भारतीय आईटी पेशेवरों के लिए यह इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि बड़ी संख्या में कुशल भारतीय कर्मचारी एच-1बी वीजा के जरिए अमेरिका में काम करते हैं और लंबे समय से ग्रीन कार्ड की प्रक्रिया में हैं।

भारतीय आवेदकों को पहले कैसे मिल जाती थी राहत?

भारतीय आवेदकों को पहले दूसरे देशों के इस्तेमाल नहीं हुए वीजा नंबरों से कुछ राहत मिल जाती थी। अमेरिकी आव्रजन कानून फर्म डब्ल्यूआर इमिग्रेशन के अनुसार, दूसरे देशों के बचे हुए वीजा नंबर छनकर ईबी-2 और ईबी-3 भारत श्रेणी में पहुंच जाते थे। इससे भारतीय आवेदकों के लिए उपलब्धता कुछ बेहतर हो जाती थी। लेकिन अब यह व्यवस्था पहले की तरह राहत नहीं दे रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि इससे भारतीय आवेदकों के लिए उपलब्ध जगह और सीमित हो रही है।

क्या लंबित आवेदनों पर भी पूरी तरह रोक लग गई है: फिलहाल ऐसा नहीं है। अमेरिकी नागरिकता एवं आव्रजन सेवा यानी यूएससीआईएस में पहले से लंबित आवेदनों की कागजी प्रक्रिया जारी रह सकती है। लेकिन इन आवेदनों को अंतिम मंजूरी देने के लिए वीजा नंबर उपलब्ध होना जरूरी है। मौजूदा कोटा खत्म होने के कारण अंतिम वीजा नंबर अभी आवंटित नहीं किया जा सकता। नया कोटा जारी होने के बाद ही इन मामलों में अंतिम मंजूरी की प्रक्रिया आगे बढ़ सकेगी।

इस रोक के बाद भारतीय आवेदकों की चिंता इसलिए बढ़ी है क्योंकि विशेषज्ञों ने आगामी वित्त वर्ष में भी ईबी-2 और ईबी-3 भारत श्रेणियों में सीमित उपलब्धता की चेतावनी दी है। इसका मतलब है कि ग्रीन कार्ड के लिए इंतजार कर रहे भारतीय उच्च कुशल कामगारों को आगे भी लंबी प्रतीक्षा का सामना करना पड़ सकता है। खासकर उन लोगों के लिए यह स्थिति महत्वपूर्ण है, जो एच-1बी वीजा पर अमेरिका में रहकर स्थायी निवास की प्रक्रिया पूरी करने की कोशिश कर रहे हैं।

तपती गर्मी से राहत का जापानी जुगाड़

एसी जैकेट से यूवी छाते तक ये तकनीकें कैसे बदलेंगी गर्मी से बचने का तरीका

टोक्यो, एजेंसी। पूर्वी एशिया में गर्मी बढ़ने के साथ जापान में लोग इससे बचने के लिए तकनीक और पारंपरिक उपायों का इस्तेमाल कर रहे हैं। आम पंखे से लेकर खास तरह की जैकेट और ठंडे बूथ तक बाजार में मौजूद हैं। पंखे वाली जैकेट शरीर के आसपास हवा पहुंचाकर पसीना जल्दी सुखाती है, जबकि कुछ छोटे पंखों में लगी विशेष धातु की प्लेट विद्युत प्रवाह के जरिए ठंडक पैदा करती है। तेज धूप से बचने के लिए यूवी रोधी छाते और पंखे वाली सौर टोपियां भी लोगों के बीच लोकप्रिय हो रही हैं। एसी जैकेट में छोटे पंखे लगाए जाते हैं। ये पंखे बाहर की हवा को जैकेट के अंदर खींचते हैं और शरीर के आसपास हवा का प्रवाह बनाए रखते हैं। इससे पसीना तेजी से सूखता है और शरीर का तापमान बढ़ने से रोकने में मदद मिलती है। गर्मी में बाहर काम करने वाले लोगों के लिए ऐसी जैकेट राहत का साधन बन रही हैं। इसका उद्देश्य कमरे की तरह पूरे शरीर को ठंडा करना नहीं, बल्कि शरीर के आसपास लगातार हवा पहुंचाकर गर्मी का असर कम करना है। जापान में गर्मी से बचने के लिए तकनीक आधारित दूसरे विकल्प भी इस्तेमाल हो रहे हैं। छोटे सेमीकंडक्टर पंखों में लगी विशेष धातु की प्लेट विद्युत प्रवाह से ठंडक पैदा करती है। इससे केवल हवा चलाने के बजाय ठंडक का एहसास भी कराया जाता है। इसके अलावा इंसान के आकार के रेफ्रिजरेटेड बूथ भी इस्तेमाल किए जा रहे हैं। इन्हें निर्माण स्थलों और राहत केंद्रों में लगाया जा रहा है, ताकि तेज गर्मी के बीच लोग कुछ समय ठंडे वातावरण में रह सकें। धूप में सिर को ठंडा रखने के लिए पंखे वाली सौर टोपियों का चलन भी बढ़ रहा है। इन टोपियों में पंखे लगाए जाते हैं।

बचपन में अलग हुईं, फिर दोस्ती हुई और 40 साल पता खुला राज, डीएनए रिपोर्ट ने बदली दोनों की जिंदगी

संयुक्त राष्ट, एजेंसी। भारत में शिशु अवस्था में अलग-अलग अनाथालयों में छोड़ी गईं दो बच्चियां करीब 40 साल तक अपनी-अपनी जिंदगी जीती रहीं। दोनों को नीदरलैंड के अलग-अलग परिवारों ने गोद लिया और दोनों की परवरिश एक-दूसरे से थोड़ी दूरी पर हुई। उन्हें पता ही नहीं था कि उनके जीवन में एक ऐसी बहन भी है, जिससे उनकी मुलाकात किशोरावस्था में हो चुकी है। वर्षों बाद डीएनए जांच ने उनकी पुरानी दोस्ती के पीछे छिपा रिश्ता सामने ला दिया। कहानी में सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि मीना और मीनल पहली बार किशोरावस्था में 1996 में एक गोद लिए गए बच्चों की सभा में मिली थीं। उस समय दोनों करीब 100 मील की दूरी पर रहती थीं। पहली मुलाकात में ही दोनों के बीच असामान्य रूप से गहरा जुड़ाव महसूस हुआ। दोस्तों ने भी दोनों के चेहरे और शक्ल-सूरत में समानता देखी। दोनों ने एक-दूसरे के पते लिए और मजाक में पत्रों में एक-दूसरे को 'बहन' कहकर बुलाने लगीं। इसके बाद करीब 15 साल तक दोनों का संपर्क नहीं रहा। अप्रैल में मीनल ने माईहेरिटेज डीएनए जांच कराई।

फोन पर जब जांच का नतीजा आया तो उसमें मीना का नाम बहन के रूप में दिखाई दिया। डीएनए में 100 फीसदी का दुर्लभ मिलान सामने आया। मीनल ने बताया कि वह उस समय अपने घर के सोफे पर बैठी थीं, जब फोन पर नतीजे का संदेश आया। उन्हें यकीन ही नहीं हुआ कि जिस लड़की से वह किशोरावस्था में मिली थीं, वही उनकी सगी बहन है।

बचपन में दोनों को यह जानकारी नहीं थी कि उनकी कोई बहन है। मीनल ने बताया कि वह अपने डच माता-पिता और भाई-बहनों के साथ प्यार से पली-बढ़ीं, लेकिन उनके भीतर एक गहरी अकेलेपन की भावना भी थी। दूसरी ओर, मीना भी लंबे समय से अपने भीतर एक खालीपन महसूस करती थीं। जब डीएनए जांच से रिश्ता सामने आया तो उन्हें लगा जैसे जिंदगी का कोई खोया हुआ हिस्सा वापस मिल गया हो। डीएनए रिपोर्ट आने के बाद मीनल को पहले यह समझ नहीं आया कि मीना वही लड़की है, जिससे वह करीब 30 साल पहले मिली थीं। बाद में उन्होंने सोशल मीडिया पर मीना को खोजा और उसकी तस्वीरें देखीं। तस्वीरों को देखने के बाद उन्हें यकीन हो गया कि डीएनए रिपोर्ट में जिस बहन की बात सामने आई है, वह वही पुरानी दोस्त है। मीनल ने कहा कि वे बहन बनने से पहले दोस्त थीं और असल में वे पूरी जिंदगी बहनें ही थीं, बस उन्हें इसका पता नहीं था। रिश्ता सामने आने के बाद दोनों बहनों ने नीदरलैंड में भावुक मुलाकात की। इस दौरान आंसू, गले मिलना और हंसी एक साथ दिखाई दी।

डी.ए.वी. स्कूल जांता में देशभक्ति के उल्लास एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

दाढ़ी/मूक पत्रिका

क्षेत्र के प्रतिष्ठित सीबीएसई विद्यालय डी.ए.वी. स्कूल जांता में स्वतंत्रता दिवस समारोह अत्यंत हर्षोल्लास, गरिमा एवं राष्ट्रभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूजा देवव्रत मिश्रा, सरपंच ग्राम पंचायत जांता, सरपंच प्रतिनिधि देवव्रत मिश्रा, पंच हीरालाल चंद्राकर सहित बड़ी संख्या में पालकगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता के पूजन एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों के साथ विद्यालय के प्राचार्य पी. एल. जायसवाल द्वारा ध्वजारोहण किया गया। तिरंगे को सलामी देने के पश्चात राष्ट्रगान की सामूहिक प्रस्तुति से संपूर्ण विद्यालय परिसर देशभक्ति के भाव से ओत-प्रोत हो उठा। विद्यार्थियों एवं उपस्थित जनसमुदाय ने उत्साहपूर्वक 'भारत माता की जय', 'वंदे मातरम्' एवं 'जय हिंद' के उद्घोष किए। समारोह के दौरान विद्यार्थियों द्वारा देशभक्ति गीत, ओजपूर्ण भाषण, कविता-पाठ, नृत्य एवं विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। इन प्रस्तुतियों के माध्यम से विद्यार्थियों ने स्वतंत्रता संग्राम के अमर सेनानियों एवं राष्ट्रनायकों के त्याग, तपस्या, साहस और बलिदान को स्मरण करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों में राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय एकता, अखंडता एवं देश के प्रति समर्पण की भावना स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुई। विशेष रूप से नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने अतिथियों एवं पालकों को भावविभोर कर दिया। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विद्यालय परिसर को तिरंगे ध्वजों, गुब्बारों, पुष्पों एवं आकर्षक सजावट से भव्य रूप प्रदान किया गया था। परिसर में चारों ओर लहराता तिरंगा राष्ट्रीय गौरव एवं स्वतंत्रता की भावना को अभिव्यक्त कर रहा था। अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में विद्यालय के प्राचार्य पी. एल. जायसवाल ने विद्यार्थियों को स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष एवं बलिदान से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता हमें अपने अधिकारों के साथ-साथ राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का बोध भी कराती है। विद्यार्थियों को अनुशासन, ईमानदारी, जिम्मेदारी एवं नैतिक मूल्यों को जीवन में आत्मसात करते हुए देश के विकास में अपना योगदान देने के लिए प्रेरित किया। मुख्य अतिथि एवं उपस्थित गणमान्य अतिथियों ने भी विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए उन्हें राष्ट्रहित एवं समाजहित में सकारात्मक भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विद्यालय द्वारा विद्यार्थियों में संस्कार, अनुशासन एवं राष्ट्रप्रेम की भावना विकसित करने के प्रयासों की प्रशंसा की। एवं साथ ही जानकारी साझा करते हुए बताए कि विद्यालय के विद्यार्थियों ने अनेक उपलब्धि हसिल कर रहें हैं जिसमें बच्चे अभी तक राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय स्टार पर 180 अवॉर्ड विद्यालय के बच्चों ने अपने नाम कर लिए हैं अभी सजीएफआई से मान्यता प्राप्त खेल में व डी ए वी नेशनल स्पोर्ट्स के तहत विद्यालय के कुल चार टीम अंडर 14 बालक- बालिका एवं अंडर 17 बालक - बालिका कबड्डी विनर बन कर व चयन हुआ है, नवाचार के तहत चेन्नई में आयोजित यंग साइंटिस्ट इंडिया व स्पेस किट्स इंडिया ग्रैंड फिनाले प्रोग्राम में 23 अगस्त को आयोजित में हिस्सा ले रहें हैं, नासा ओलंपियाड में अब तक 107 बच्चों ने गोल्ड मैडल हासिल किए हैं। कार्यक्रम के समापन अवसर पर अतिथियों, पालकों, शिक्षक-शिक्षिकाओं, विद्यार्थियों एवं समस्त सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। तत्पश्चात विद्यार्थियों को मिठाई वितरित की गई। विद्यालय परिसर 'भारत माता की जय', 'वंदे मातरम्' एवं 'जय हिंद' के नारों से गुंजायमान रहा। संपूर्ण आयोजन ने विद्यार्थियों में राष्ट्रप्रेम, देशभक्ति एवं राष्ट्रीय गौरव की भावना को और अधिक सुदृढ़ किया।

जंगली फूटू खाने से ग्रामीण बीमार, इलाज के लिए स्वास्थ्य शिविर की मांग

बकावंड/मूक पत्रिका

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार विकासखंड बकावंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत छिंदगांव-2 के आश्रमपारा डुरकाटोंग में जंगली फूटू खाने के बाद कुछ ग्रामीणों के बीमार होने की जानकारी सामने आई है। ग्रामीणों के अनुसार प्रभावित लोगों को उल्टी-दस्त की शिकायत हो रही है। ग्रामीणों का कहना है कि बरसात के मौसम में क्षेत्र में सड़क निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है, जिसके कारण आवागमन प्रभावित हो गया है। ऐसे में बीमार ग्रामीणों को अस्पताल तक पहुंचाने में भी काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि मामले को गंभीरता से लेते हुए आश्रमपारा डुरकाटोंग में तत्काल स्वास्थ्य शिविर लगाया जाए, ताकि बीमार ग्रामीणों की मौके पर ही जांच कर आवश्यक उपचार उपलब्ध कराया जा सके। साथ ही गंभीर मरीजों को आवश्यकता पड़ने पर तत्काल अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था की जाए। ग्रामीणों का कहना है कि बरसात के मौसम में सड़क की बदहाल स्थिति और निर्माण कार्य के चलते यदि समय पर चिकित्सा सुविधा नहीं मिली तो मरीजों की परेशानी बढ़ सकती है। इसलिए स्वास्थ्य विभाग एवं स्थानीय प्रशासन को बिना देरी किए मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लेना चाहिए।

रेडियंस पब्लिक स्कूल बैजी में मना स्वतन्त्रता दिवस

बैजी लोलेसरा/मूक पत्रिका

बेमेतरा जिला के बैजी लोलेसरा ग्राम में संचालित रेडियंस पब्लिक स्कूल में स्वतन्त्रता दिवस बड़े ही हर्ष उल्लास के साथ मनाया गया द्य स्कूल के पालक गण से ही सम्माननीय अतिथियों का स्वागत किया द्य और डॉ विनोद वर्मा द्वारा ध्वजारोहण किया गया द्य और बैजी के सम्माननीय अतिथि विजय वर्मा द्वारा कक्षा 5 वी के टॉप किए बच्चों को पुरस्कृत किया गया द्यऔर हमारे वीर शहीदों को याद करते हुए आजादी के महत्व को बताते हुए समस्त देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित किए द्व साथ में स्कूल के बच्चों द्वारा साँस्कृतिक कार्यक्रम में देश की एकता और अखंडता पर कार्यक्रम प्रस्तुत किए द्य उक्त कार्यक्रम में संस्था प्रमुख मोजेश मसीह और संगीता राणा और समस्त स्टाफ गण और पालक गण मे बैजी, लोलेसरा, केवांछी, बहेरा, चारभाटा और स्कूल के सभी बच्चों का योगदान सराहनीय रहा।

15 गांवों से गठित हुआ मानस शक्ति केंद्र सरदा भीखूराम साहू अध्यक्ष

निर्वाचित 23 अगस्त को भव्य गोस्वामी तुलसीदास जयंती मनाने का निर्णय

बेमेतरा/मूक पत्रिका

मा भद्रकाली जिला मानस संघ बेमेतरा की परिकल्पना एवं संगठन विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण अध्याय जुड़ते हुए ग्राम सरदा एवं आसपास के 15 गांवों को सम्मिलित कर मानस शक्ति केंद्र सरदा का गठन किया गया। बैठक में सामाजिक, आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक सक्रियता को दृष्टिगत रखते हुए पदाधिकारियों का चयन सर्वसम्मति से किया गया। मानस शक्ति केंद्र का मूल उद्देश्य भगवान श्रीराम के आदर्शों एवं श्रीरामचरितमानस के जीवन-दर्शन को जन-जन तक पहुंचाते हुए समाज एवं राष्ट्र के सामाजिक, धार्मिक और सांस्कृतिक उत्थान में रचनात्मक भूमिका निभाना है। साथ ही युवा पीढ़ी को संस्कार, साहित्य, संगीत एवं अध्यात्म से जोड़ने के लिए श्रीरामचरितमानस व्याख्यानमाला, संगीत प्रशिक्षण एवं विविध आध्यात्मिक कार्यशालाओं के आयोजन का निर्णय लिया गया।

बैठक में श्री भीखूराम साहू (भटगांव) को अध्यक्ष, डॉ. तरुण साहू (लेंजवारा) को उपाध्यक्ष, श्री पंचराम यादव (बावनलाख) को सचिव, श्री सूरित राम साहू (सरदा) को कोषाध्यक्ष तथा श्री संतोष कुमार साहू (लेंजवारा) को मीडिया प्रभारी मनोनीत किया गया। इसके साथ ही विशेष कार्यकारिणी सदस्यों का भी गठन किया गया।नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री भीखूराम साहू के सामाजिक एवं आध्यात्मिक सक्रिय योगदान को देखते हुए उपस्थित सदस्यों ने उन्हें दायित्व सौंपते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में मानस शक्ति केंद्र सरदा सेवा, संस्कार और अध्यात्म की त्रिवेणी को प्रवाहित करते हुए क्षेत्र में मानस चेतना के विस्तार का सशक्त माध्यम बनेगा। बैठक में आगामी 23 अगस्त को ग्राम भटगांव (बेरला) में राज्य स्तरीय भव्य गोस्वामी तुलसीदास जयंती समारोह आयोजित करने का भी निर्णय लिया गया। समारोह में प्रदेश के सुप्रसिद्ध भजन गायक एवं श्रीरामचरितमानस के वक्तागण उपस्थित रहेंगे। यह आयोजन तुलसी साहित्य, रामभक्ति और लोकमंगल की भावना को जनमानस तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण अवसर होगा।

मा भद्रकाली जिला मानस संघ बेमेतरा के अध्यक्ष श्री देवलाल सिन्हा ने नवनियुक्त सभी पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा कि मानस शक्ति केंद्रों का गठन संगठन के विस्तार के साथ-साथ समाज में आध्यात्मिक चेतना, सांस्कृतिक एकता और सामाजिक समरसता को नई दिशा देने वाला कदम है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इन नवीन दायित्वों के माध्यम से जिले की संघीय गतिविधियां और अधिक गतिशील, प्रभावी एवं सुदृढ़ होकर सामने आएंगी।बैठक में श्री छगन लाल, रघुबीर साहू, बिहारी, सालिक, लवकुश, मोतीराम, शिव, राधेश्याम, देवचरण, देऊराम, संतोष, हजारी, टेकराम, झनक साहू सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।मानस शक्ति केंद्र सरदा का यह गठन निश्चित रूप से ÷राम के आदर्श, मानस के संस्कार और समाज के उत्थान÷ की दिशा में एक सार्थक एवं अनुकरणीय पहल है।

कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने संयुक्त जिला कार्यालय में किया ध्वजारोहण, स्वतंत्रता दिवस की दी शुभकामनाएं

बलौदाबाज़ार/मूक पत्रिका

ताराचंद कठोत्रे / स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने अपने निवास कार्यालय एवं संयुक्त जिला कार्यालय परिसर में ध्वजारोहण किया। उन्होंने जिलेवासियों को 80 वां स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर कलेक्टर श्री शर्मा ने कहा कि देश की स्वतंत्रता के लिए स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और शहीदों ने अपने प्राणों की आहुति देकर जो अमूल्य बलिदान दिया है, वह सदैव अविस्मरणीय रहेगा। उनके त्याग, संघर्ष और समर्पण के परिणामस्वरूप ही आज हम स्वतंत्र भारत में स्वाभिमान और स्वतंत्रता के साथ जीवन जी रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता का अर्थ केवल राजनीतिक आजादी तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका वास्तविक आशय यह भी है कि देश के प्रत्येक नागरिक को सम्मानपूर्वक जीवन जीने तथा आवश्यक आधारभूत सुविधाओं का लाभ प्राप्त करने का अवसर मिले। शासन-प्रशासन का दायित्व है कि विकास और जनकल्याण की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। कलेक्टर श्री शर्मा ने कहा कि शासकीय कर्मचारी होने के नाते हम सभी का दायित्व है कि नागरिकों की समस्याओं के प्रति संवेदनशीलता के साथ कार्य करें और उनके प्रकरणों एवं शिकायतों का यथाशीघ्र निराकरण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जनसेवा की भावना और कर्तव्यनिष्ठा के साथ कार्य करते हुए प्रशासन को नागरिकों की अपेक्षाओं पर खरा उतरना चाहिए। उन्होंने देश में भाईचारा, सामाजिक सौहार्द, आपसी एकता एवं सद्भाव का वातावरण सदैव कायम रहने की कामना की।

इस अवसर पर उन्होंने सभी जिलावासियों को स्वतंत्रता दिवस की 80वीं वर्षगांठ की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत सुश्री दिव्या अग्रवाल,अपर कलेक्टर सुश्री दीप्ति गोते,ए.आर. टंडन,निशा नेताम मड़ावी, सीमा ठाकुर सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

संकुल केंद्र सेमरिया में धूमधाम से मनाया गया 80वां स्वतंत्रता दिवस

सेमरिया/मूक पत्रिका

ग्राम पंचायत सेमरिया स्थित संकुल केंद्र में देशभक्ति, उत्साह और उमंग से सराबोर वातावरण में 80वां स्वतंत्रता दिवस समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सुबह से ही विद्यालय परिसर में उत्सव जैसा माहौल रहा। विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने पूरे उत्साह के साथ समारोह में सहभागिता निभाई।कार्यक्रम की शुरुआत तिरंगा ध्वज फहराकर की गई। मुख्य अतिथि सरपंच अनुसुइया साहू द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। जैसे ही तिरंगा आसमान की ऊंचाइयों में लहराया, पूरा परिसर भारत माता की जय, वंदे मातरम् और देशभक्ति के नारों से गूंज उठा। उपस्थित सभी लोगों ने राष्ट्रध्वज को सलामी देते हुए देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।ध्वजारोहण के पश्चात विद्यार्थियों एवं शिक्षकों द्वारा भव्य प्रभात फेरी निकाली गई। हाथों में तिरंगा लिए विद्यार्थी देशभक्ति के नारों और जयघोष के साथ ग्राम सेमरिया की गलियों से गुजरे। प्रभात फेरी के दौरान पूरा गांव राष्ट्रभक्ति के रंग में रंगा नजर आया। विद्यार्थियों के उत्साह और देशभक्ति के नारों ने ग्रामीणों में भी उत्साह का संचार किया। प्रभात फेरी के उपरांत संकुल केंद्र में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीत, नृत्य एवं विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से स्वतंत्रता दिवस के महत्व को जीवंत कर दिया। मनमोहक प्रस्तुतियों ने उपस्थित अतिथियों, शिक्षकों एवं ग्रामीणों का मन मोह लिया और पूरा वातावरण देशभक्ति से सराबोर हो गया। इस अवसर पर कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सरपंच अनुसुइया साहू, जिला पंचायत सदस्य बालकुमारी ध्रुव ,सरपंच प्रतिनिधि मोहित साहू, शाला विकास एवं प्रबंधन समिति के अध्यक्ष संतोष साहू, गणमान्य नागरिक डॉ. एल. आर. साहू, प्राचार्य फूलमती नेताम, उपप्राचार्य कमल दास टंडन सहित अनेक गणमान्य नागरिक, शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में व्याख्याता दिनेश कुमार देवांगन, खिलेंद्र कैवर्त्य, अभिलाष जैन, रमा निराला, श्वेता खोब्रागड़े, पूजा भावराजू, रविशंकर साहू, विजय कश्यप, संजय वर्मा, नीलचरण साहू, सीएससी खेवेंद्र ठाकुर, कृष्ण सोनवानी, रमेश साहू, कोमल वर्मा, प्रधान पाठक संतराम नेताम, सहायक शिक्षक भूपेंद्र मंडले, यशोमती डोंगरे सहित अन्य शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं कर्मचारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। साथ ही ग्राम पंचायत सेमरिया के गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। समारोह का विशेष आकर्षण रहा विद्यार्थियों का सम्मान एवं पुरस्कार वितरण। विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से डॉ. एल. आर. साहू द्वारा विभिन्न कक्षाओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को नगद पुरस्कार राशि प्रदान कर सम्मानित किया गया।

स्वतंत्रता दिवस पर ग्रामीण प्रतिभाओं को मिला मंच

नैमेड में ब्लॉक स्तरीय सद्भावना साइकिल रेस प्रतियोगिता

बीजापुर/मूक पत्रिका

आशीष पदमवार। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर नैमेड में ब्लॉक स्तरीय सद्भावना साइकिल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिला पंचायत सदस्य नीना रावतिया उद्दे के सौजन्य से आयोजित प्रतियोगिता में विभिन्न गांवों के 36 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। करीब 10 किलोमीटर की साइकिल रेस नैमेड बस स्टैंड से शुरू होकर मिंगाचाल तक गई और वापस नैमेड पहुंचकर समाप्त हुई।

प्रतियोगिता में ग्राम पापनपाल के पाकलू कुड़ियाम ने प्रथम स्थान हासिल किया। उन्हें साइकिल और ट्रॉफी प्रदान की गई। एरमनार के पोदीयो माड़वी द्वितीय स्थान पर रहे, जिन्हें 3000 रुपए नकद व ट्रॉफी दी गई। पापनपाल के राहुल राना ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। उन्हें 1500 रुपए और ट्रॉफी प्रदान की गई। केतनपाल के धनसिंह कोवासी चतुर्थ रहे, जिन्हें 1000 रुपए नकद व ट्रॉफी मिली।अन्य प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार के रूप में 500-500 रुपए देकर सम्मानित किया गया।

युवाओं को खेलों से जोड़ने पर जोर-जिला पंचायत सदस्य नीना रावतिया उद्दे ने कहा कि खेल युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करते हैं। प्रतियोगिता का उद्देश्य युवाओं को खेलों से जोड़ना और स्वस्थ व नशामुक्त जीवनशैली के लिए प्रेरित करना है। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष लालू राठौर ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे आयोजन युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर देते हैं। उन्होंने प्रतिभागियों को आगे भी खेलों में सक्रिय रहने के लिए प्रेरित किया।कार्यक्रम का संचालन आनंद राव ने किया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, पंचायत प्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता, युवा और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

बॉक्स 7 पुरस्कार पाने वाले प्रतिभागी

प्रथमः पाकलू कुड़ियाम, पापनपाल - साइकिल व ट्रॉफी

द्वितीयः पोदीयो माड़वी, एरमनार - 3000 रुपए व ट्रॉफी

तृतीयः राहुल राना, पापनपाल - 1500 रुपए व ट्रॉफी

चतुर्थः धनसिंह कोवासी, केतनपाल - 1000 रुपए व ट्रॉफी

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा कलयुग का भारत द्वारा अग्रदूत कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, भाजपा कार्यालय के पास, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।